अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–231 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 20 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने निकाली प्रतिज्ञा यात्रा, भाजपा सरकार हटाने का लिया संकल्प

सत्यपाल सिंह

सिधौली–सीतापुर विधानसभा सिधौली में कमला रावत के नेतृत्व में ब्लॉक गोंदलाऊ के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतिज्ञा यात्रा निकाली। यह यात्रा बालपुर से हिण्डौरा, अल्लीपुर, लछिमनपुर, पटोरिया, कुर्सी होते हुए गौरिया,

तौंकलपुर तक गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार हटाने का संकल्प लिया। यात्रा की शुरुआत ग्राम बालपुर में स्व० इंदिरा गांधी जी के जन्मदिवस पर चित्र पर पुष्प अर्पित कर कांग्रेस नेत्री कमला रावत, ब्लाक अध्यक्ष विनय यादव आदि ने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो कहती है वह करती है। कमला रावत ने कहा कि भाजपा जुमलेबाजी से काम चला रही है। इस सरकार में महिलाओं व दलितों की सुरक्षा ताक पर है। कांग्रेस जिला महासचिव संतोष मिश्रा ने कहा कि उपचुनाव के नतीजे को देखकर डीजल व पेट्रोल के दाम कम होने लगे। अगर जनता प्रदेश व देश में भाजपा को सबक सिखाएगी तो हर तरफ खुशहाली आएगी। यात्रा में आयुष रावत,मिहीलाल रावत, विश्राम भार्गव,संगीता भारती, पिंकी , श्रध्दा देवी आदि मौजूद रहे।

किसान यूनियन के सामने झुकी सरकार तीनों कृषि कानून वापस लिया – घनश्याम वर्मा

अंबिका नंद त्रिपाठी

अयोध्या। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद किसानों ने लड्डू खाकरध खिलाकर खुशी का इजहार किया उक्त अवसर पर भारतीय किसान यूनियन जनपद अयोध्या द्वारा शहर के तिकोनिया पार्क में पंचायत

करके हर्ष मनाया गया। पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानून की वापसी की घोषणा की है जोकि सराहनीय कदम है किसानों की जीत है परंतु रद्द करने की प्रक्रिया लोकसभा व राज्यसभा में होना है लोकसभा और राज्यसभा में रद्द होने के बाद तथा एमएसपी पर कानून बनने के बाद पूरी तरह से खुशी मनाई जाएगी और किसानों की जीत पूरी होगी। उक्त अवसर पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष सूर्यनाथ वर्मा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुमन पांडे, मंडल महासचिव राम वर्मा, मीडिया प्रभारी फरीद अहमद में संयुक्त रूप से कहा कि अभी आधी अधूरी जीत हुई है जब तक पूरी जीत नहीं हो जाती अर्थात लोकसभा व राज्यसभा द्वारा कानून रद्द नही होते और एमएसपी पर कानून नहीं बनाए जाते तब तक आंदोलन चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कृषि कानून वापस लेने के फैसले का स्वागत किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि कानून वापस लेने के केन्द्र के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बात करते हुये कहा, ''तीन कृषि कानूनों को प्रधानमंत्री द्वारा वापस लिये जाने के फैसले का मैं उत्तर प्रदेश शासन की ओर से हदय से स्वागत करता हूं । हम सब जानते हैं कि तीन कृषि कानूनों को लेकर कुछ किसान संगठन आंदोलन कर रहे थे। आज गुरुपर्व पर प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेकर जो ऐतिहासिक कार्य किया है, उसका मैं हृदय से स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा, ''यद्यपि शुरू से ही एक बड़ा समुदाय ऐसा था जो इस बात को मानता था कि किसानों की आमदनी बढ़ाने में इस प्रकार के कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, इसके बावजूद कुछ किसान संगठन इनके विरोध में उतर आए । सरकार ने हर स्तर पर संवाद का प्रयास किया, हो सकता है कि हमारे स्तर पर कोई कमी रह गयी हो। अपनी बात को उन लोगों को समझाने में हम लोग कहीं न कहीं विफल रहे, जिसके कारण उन्हें आंदोलन के रास्ते पर आगे बढ़ना पड़ा। लेकिन लोकतंत्र के इस भाव का सम्मान करते हुये तीनों कृषि कानून को वापस लेने और एमएसपी को लेकर एक समीति के गठन के निर्णय का हम प्रदेश सरकार की ओर से हृदय से स्वागत करते हैं।

किसान यूनियन के सामने झुकी सरकार तीनों कृषि कानून वापस लिया – घनश्याम वर्मा

अवध की आवाज ब्यूरो

अयोध्या। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद किसानों ने लड्डू खाकर/खिलाकर खुशी का इजहार किया उक्त अवसर पर भारतीय किसान यूनियन जनपद अयोध्या द्वारा शहर के तिकोनिया पार्क में पंचायत करके हर्ष मनाया गया।

पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानून की वापसी की घोषणा की है जोकि सराहनीय कदम है किसानों की जीत है परंतु रद्द करने की प्रक्रिया लोकसभा व राज्यसभा में होना है लोकसभा और राज्यसभा में रद्द होने के बाद तथा एमएसपी पर कानून बनने के बाद पूरी तरह से खुशी मनाई जाएगी और किसानों की जीत पूरी होगी।

उक्त अवसर पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष सूर्यनाथ वर्मा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुमन पांडे, मंडल महासचिव श्री राम वर्मा, मीडिया प्रभारी फरीद अहमद में संयुक्त रूप से कहा कि अभी आधी अधूरी जीत हुई है जब तक पूरी जीत नहीं हो जाती अर्थात लोकसभा व राज्यसभा द्वारा कानून रद्द नहीं होते और एमएसपी पर कानून नहीं बनाए जाते तब तक आंदोलन चलता रहेगा।

आगामी 22 नवंबर को लखनऊ के इको गार्डन की किसान महापंचायत ऐतिहासिक

होगी जनपद फैजाबाद से भारतीय किसान यूनियन व संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यकर्ता पदाधिकारी व किसान ट्रेनों से बसों से किसान महापंचायत में भाग लेंगे आगामी 26 नवंबर को किसान आंदोलन का 1 वर्ष पूरा होने पर गाजीपुर बॉर्डर नई दिल्ली में महापंचायत कर की जाएगी तथा 29 नवंबर को 500 किसान ट्रैक्टरों से लोकसभा तक जाएंगे जिसमें भी फैजाबाद के कार्यकर्ता भागीदारी सुनिश्चित करेंगे आज की पंचायत में जिला अधिकारी को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया आज की पंचायत में जिला उपाध्यक्ष अरविंद यादव, शंकर पाल पांडे, शोभाराम यादव, राम अवध किसान, राम जन्म वर्मा, बाबूराम तिवारी, रामू चंद विश्वकर्मा ,नाथूराम यादव, मोहम्मद इस्लाम, अरविंद गोस्वामी, दानिश खान, कौसर अली खान, देवी प्रसाद वर्मा, लल्लू उपाध्याय ,अजय यादव, राकेश वर्मा, बैजनाथ निषाद, वीरेंद्र पांडे ,लीलावती, उर्मिला देवी ,राजेंद्र प्रसाद वर्मा, निर्मला देवी, अनुपा, कांति देवी, नफीसा खान सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहे।

देव दीपावली के अवसर पर कानपुर महानगर के घाट जगमगा उठे

अवध की आवाज

कानपुर नगर। कानपुर के 24 घाटों पर पुरे विधि विधान से देव दीपावली मनाई गई। इस दौरान लोगों ने घाटों पर श्रद्धा दीप जलाए। शुक्रवार की शाम लोगों की भीड़ घाटों पर उमड़ने लगी और मां गंगा की महाआरती के साथ देव दीपावली का आगाज हुआ। देव दीपावली समिति के अध्यक्ष बाल योगी महाराज अरुण पुरी द्वारा सिद्धनाथ घाट पर मां गंगा की पूजा अर्चना एवं आरती कर 5100 दीपों का दान किया गया। घाटों के चारों तरफ जलते हुए दीप घाट की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। ऐसे में शाम आठ बजे तक गंगा किनारे का दृश्य काफी अद्भुत था। कहीं रंगोली के रूप में दिए जलाए गए, तो कहीं जलते हुए दीयों से देव दीपावली लिखी गई। और कहीं कहीं पर शुभ लाभ पर दीप जलाए गए। थोड़ी देर के लिए ऐसा लगा मानो कानपुर शहर इस घाट पर उमड़ पड़ा हो। कानपुर नगर के गंगा देव दीपावली समिति द्वारा आज 19 नवंबर को महानगर के 24 गंगा घाटों पर देव दीपावली मनाकर एक लाख दीपों का दान किया गया। केंद्रीय प्रोग्राम अटलघाट पर हुआ , जहां शाम चार बजे से भजन संध्या के साथ ही गंगा महाआरती भी आयोजन हुआ। इस मौके पर गाय के गोबर से बने 11 हजार दीप गंगा में दान किये गए। इसके अलावा रंगोली आदि के भी प्रोग्राम से सज सज्जा में चार चांद लग गए । गंगा में आंटे से बने दीये भी दान किये गए, जिससे मछलियों को भोजन भी मिल सके। बिठूर से लेकर पेशवा घाट, अटलघाट, मैगजीन घाट, रानी घाट, भैरोघाट, गणेश घाट, आनंदेश्वरघाट परमट, कमलेश्वर घाट परमट, श्यामघाट, कालीघटिया घाट, बाबा घाट,

ड्योढ़ी घाट तक 24 गंगा घाटों पर हुए देव दीपावली पर दीपोत्सव। इनमें बिठूर के ब्रह्मावर्त घाट के अलावा बिठूर का लक्ष्मण घाट, सरसैया घाट, भगवतदास घाट, गुप्तार घाट, नानाराव घाट, गोला घाट, कोयला घाट, डबकेश्वर घाट, बंगाली घाट, सिदनाथ घाट, शेखपुर घाट और ड्योढ़ी घाट शामिल रहे। इन सभी घाटों पर दीपोत्सव के लिये अलग–अलग समितियां बनाई गई थी। गंगा दीपोत्सव प्रोग्राम में प्रशासनिक अधिकारी और जन प्रतिनिधि मौजूद रहें

सदस्य अभियान चलाकर बैठक में बताई पार्टी की जनहित नीतियां

कदौरा/जालौन 19नवम्बर।भाजपा सदस्यता अभियान के अंतिम चरण में अल्प संख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष अकील साह द्वारा सदस्यता अभियान चलाकर लोगो को सदस्यता दिलाई गई साथ ही पार्टी की नीतियां बताकर सदस्यों को जागरूक किया गया। ज्ञातव्य हो कि नगर कदौरा चतेला तिराहे में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अकील शाह द्वारा आयोजित बैठक के जरिये सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें लोगो को भाजपा नीतियों से अवगत कराकर लोगो को सदस्यता दिलाई गयी साथ ही उन्होंने कहा कि आज सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि है। वही आयोजित बैठक में कहा कि भाजपा सरकार जनहित में कई विकास योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया है एव वर्तमान में भी स्वास्थ्य सेवा किसानों को उचित मूल्य पेंशन निशुल्क राशन व अब बच्चो को लैपटाप वितरण किया जाना है साथ ही सड़क से लेकर लोगो को बड़े पैमाने पर आवास व विकास योजनाओं की सुविधाएं प्रदान की गयी है एव आगे भी तमाम योजनाएं जारी है मौके पर टीम में महामंत्री मुकीम अंसारी उपाध्यक्ष रहीश खान नसीम राइन आशिफ अली इश्तियाक अली मंत्री रसीद आशिफ सिद्दकी स्माइल राइन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानो से घबराकर कृषि कानून वापस ले रही है सरकार: अखिलेश

लखनऊ (वेब वार्ता)। तीन कृषि कानूनों की वापसी के लिये किसानों को बधायी देते हुये समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार किसानों से घबराकर इन कानूनों को वापस ले रही है। उन्होंने कहा ''मैं इसका पूरा श्रेय देश भर के किसानों को दे रहा हूं। किसानों की मदद करनी चाहिये। समाजवादी पार्टी की मांग है कि केंद्र सरकार एमएसपी के लिये कानून लाये।''एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा ''देश के सभी किसानों को मैं बधाई देना चाहता हूं जिनके संघर्ष और आंदोलन के परिणाम स्वरूप आज तीनों काले कानून वापस लिये गये हैं। काले कानून की वापसी अंहकार की हार हैं। यह किसानों की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। सैकड़ों किसानों की मौत के आगे झूठ की माफी नही चलेगी।'' सपा अध्यक्ष ने कहा ''जिन लोगों ने माफी मांगी है वह लोग हमेशा के लिये राजनीति छोड़ने का भी वचन दें। जिस तरह तीन काले वापस हुये हैं, उससे साफ है कि सरकार डर गयी हैं,और वोट के लिये कानून वापस हुये हैं।'' यादव ने कहा ''सरकार की नजर में किसान किसान नहीं है, किसानों को कितना अपमानित किया गया, क्या क्या नहीं सुनना पड़ा। जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया, कोई कल्पना भी नही कर सकता कि अन्नदाता के लिये यह शब्द भी इस्तेमाल किये जा सकते हैं, वह भारतीय जनता पार्टी ने इस्तेमाल किये। उनके सहयोगी और साथियों ने हर मौके पर किसानों को अपमानित किया है। इसकी सामूहिक जिम्मेदारी होती हैं इसलिये सरकार को इस्तीफा देना चाहिये।''यादव ने कहा कि नोटबंदी करने से क्या अर्थव्यवस्था आज सुधर गयी। उन्होंने कहा कि वह फैसला भी गलत था। उन्होंने कहा ''यह जरूरी नहीं है कि चुनाव के बाद फिर ऐसा कोई कानून नहीं आएगा। सरकार में ऐसे लोग हैं। इसका भरोसा कौन दिलायेगा कि भविष्य में ऐसे कानून नहीं आयेंगे जिससे किसानों को संकट में डाला जाये। और अगर इनकी (सरकार की) नीयत साफ होती तो आज किसानों को खाद के लिये लाइन में नही लगना पड़ता।

भटकी बालिका का पुलिस बनी सहारा, बालिका को परिजनो से मिलाया, परिजनो में खुशी की लहर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनाकं 18.11.2021 को PRV0860 को इवेन्ट द्वारा सूचना प्राप्त हुई की शारो बानो नाम कि महिला रास्ता भूल गयी है महिला पुलिस की आवश्यक्ता है इस सूचना पर PRV प्रभारी किशन कुमार, म0का0 सोनी राजवंशी, हो0गा0चालक जव्वाद अली तत्काल मौके पर पहुँचे तथा रास्ता भटकी लड़की शारा बानो उम्र करीब 16 वर्ष से PRV कर्मीयों द्वारा लड़की से पूछताछ कि गयी तो लड़की द्वारा बताया गया की वह मधइयाँ मोड़ उतरौला जनपद बलरामपुर से भूल कर जनपद गोण्डा चली आयी है। लड़की द्वारा बाजार बगीया थाना धानेपुर में अपना नन्हियान होना बताया पी0आर0वी कर्मीयों द्वारा लड़की के घर वालो से जरिये दूरभाष वार्ता कर लड़की को लेने हेतु उसके नन्हियाल धानेपुर में बुलाया गया तथा पीआरवी कर्मीयों द्वारा लड़की को उसके नन्हियाल धानेपुर ले जाकर उसके भाई व पिता को सुपुर्द किया गया। PRV कर्मियों की तत्परता से भटकी हुई लड़की को उसके घर वालो के पास पहुचाया गया जिसका जनता में सराहना की जा रही है ।

नानकदेव के प्रकाशोत्सव पर नगर कीर्तन कराया

गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर्व पर नगर में कीर्तन का हुआ आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गुरु नानकदेव के प्रकाशोत्सव पर वीरवार को शहर में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न समुदायों के लोगों ने श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की पालकी साहिब के समक्ष माथा टेक कर अपनी खुशी का इजहार किया। गुरु घर के प्रवक्ता बलविंद्र सिंह के अनुसार नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को पालकी में शानदार ढंग से सुशोभित किया गया और पालकी साहिब की अगुवाई विशेष रूप से पंजाब से मंगवाए गए मिलिट्री बैंड के साथ–साथ गुरु के पंज प्यारे कर रहे थे। पीछे–पीछे समूह संगत सतनाम वाहे गुरु एवं गुरबाणी का जाप करती हुई नगर कीर्तन के साथ चल रही थी। जबकि सुखमणी साहिब की सेवादार पंज प्यारों के साथ आगे–आगे सुखमणी साहिब का सिमरण करे हुए झाड़ू की सेवा लगा रही थी। नगर कीर्तन गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब से शुरू हो कर पुरानी कचहरी, शहर पुलिस थाना, मुख्य बाजार, तांगा चौंक, पंजाबी बाजार, गुरुद्वारा पंजाबी सेवक सभा, शास्त्री मार्केट होता हुआ झांझ गेट स्थित सिंह सभा गुरुद्वारा पहुंचा। वहां जलपान छकने के बाद नगर कीर्तन रुपया चौक, बत्तख चौक, सफीदों गेट, सफीदों रोड, हिंदू कन्या महाविद्यालय व बाल भवन के सामने से होता हुआ गोहाना रोड व रानी तालाब होता हुआ गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में जाकर संपन्न हुआ। यहां पर गुरुद्वारा मैनेजर मोहन सिंह व

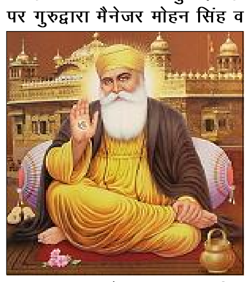

गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरविंद्र सिंह रत्तक द्वारा नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। गुरुद्वारा मैनेजर मोहन सिंह व हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरविंद्र सिंह ने कहा कि गुरु नानकदेव ने कहा है कि ईश्वर एक है और वह सर्वत्र विद्यमान है। इसलिए सबके साथ प्रेम पूर्वक रहना चाहिए। किसी भी तरह के लोभ को त्याग कर अपने हाथों से मेहनत कर एवं न्यायोचित तरीकों से धन का अर्जन करना चाहिए। कभी भी किसी का हक नहीं छीनना चाहिए, बल्कि मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। धन को जेब तक ही सीमित रखना चाहिए, उसे अपने हृदय में स्थान नहीं बनाने देना चाहिए। स्त्री का हमेशा आदर करना चाहिए। तनाव मुक्त रहकर अपने कर्म को निरंतर करते रहना चाहिए और सदैव प्रसन्न भी रहना चाहिए। संसार को जीतने से पहले स्वयं अपने विकारों पर विजय पाना अति आवश्यक है। अहंकार मनुष्य को मनुष्य नहीं रहने देता है। इसलिए अहंकार कभी नहीं करना चाहिए, बल्कि विनम्र हो सेवा भाव से जीवन गुजारना चाहिए। गुरु नानक देव पूरे संसार को एक घर मानते थे। जबकि संसार में रहने वाले लोगों को परिवार का हिस्सा समझते थे। इस अवसर पर भाई कन्हैया सेवा दल, भाई सोमाशाह सेवा दल, सभी सुखमणी सेवा सोसायटियां और गुरु तेग बहादुर सेवा दल की सेवादार शुरू से लेकर आखिर तक नगर कीर्तन की सेवा में लगे रहे। नगर कीर्तन में उपवन सिंह के नेतृत्व में गतका के जौहर दिखाए गए। जिसमें गतके के साथ–साथ तलवारबाजी का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर रणजीत सिंह, हरविंद्र सिंह, प्रीतम सिंह, गुरविंद्र सिंह, पूर्ण सिंह, गुरजिंद्र सिंह, जसबीर सिंह टीटी, प्रवीण आनंद, कृपाल सिंह, शोभा सिंह, महेंद्र सिंह व जोगेंद्र सिंह पाहवा भी मौजूद रहे।

राम मंदिर के डिजाइन में चेंज, राफ्ट में नौ मीटर चौड़े होंगे ब्लॉक।

अवध की आवाज ब्यूरो

अयोध्या। राम का भव्य मंदिर इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है, इसका जीर्णोधार कार्य भी काफी जोर शोर से चल रहा है। इस कड़ी में हाल ही दिल्ली में हुई बैठक में मंदिर निर्माण के डिजाइन कार्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। 14 नवम्बर को हुई बैठक में मंदिर के बुनियाद के बाद बनाई जा रही राफ्ट को लेकर मंथन हुआ 27 मीटर का 17 ब्लॉक राफ्ट का बनाया जा रहा था, जिसके निर्माण लिए तापमान 23 डिग्री सेंटीग्रेड चाहिए था, लगभग 12 ब्लॉक का निर्माण भी हो चुका था, लेकिन ढलाई में बर्फ के पानी और बर्फ का इस्तेमाल करने के बावजूद राफ्ट की सीलिंग में दरार नजर आने लगी जिसके बाद कार्यरत संस्था लार्सन एंड टूब्रो ने काम रोक करके दूसरे तकनीक का इस्तेमाल किया. अब राफ्ट के 30 ब्लॉक बनाए जाएंगे इन की चौड़ाई 9 मीटर होगी और तापमान को भी मेंटेन करने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल किया जाएगा। डिजाइन को लेकर हो रहे बदलाव के कारण जीर्णोधार कार्य में देरी हो रही है। बताया जा रहा है कि काम की गति धीमी होने के कारण जो राफ्टिंग का काम 15 नवंबर तक पूरा होना था। अब वह दिसंबर माह में पूरा होगा जिसके बाद पलिंथ निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। राम जन्मभूमि परिसर में सीता कूप है जिसके जल की धार्मिक मान्यताएं हैं, और उन मान्यताओं के आधार पर अयोध्या और अयोध्या के आसपास के सनातन धर्म के लोग पूजन में सीता कूप के जल का इस्तेमाल करते हैं।1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सीता कूप का अस्तित्व खतरे में आ गया था, जिसके बाद अब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र इस पौराणिक कुप का भी सौंदर्य करण करा रहा है। सीता कूप का निर्माण हो रहा है जहां से लोग धार्मिक अनुष्ठान के लिए जल प्राप्त कर पाएंगे।

राम मंदिर ट्रस्ट ने 2023 दिसंबर तक मंदिर के निर्माण की बात कही है उनका दावा है कि 2023 में रामलला भव्य मंदिर में बैठकर दर्शन देंगे मंदिर निर्माण की गति तेजी से चल रही थी, लेकिन मंदिर की आयु को लेकर ट्रस्ट संवेदनशील है ट्रस्ट की मंशा है कि 1000 वर्षों तक यह मंदिर सुरक्षित रहे इस लिहाज से मंदिर के निर्माण में तमाम वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि सूत्रों की माने तो भगवान राम के भव्य मंदिर में लगने वाले हर कमरे पर 16 मूर्तियों को उकेरा जाएगा खंभों पर देवी देवता ऋषि मुनियों की तस्वीरें बनाएंगे 2500 वर्ग फीट के परकोटे में रामायण से जुड़े हुए 100 प्रसंगों को भी उकेरा जाएगा. राम मंदिर के नींव के ऊपर बन रहे राफ्ट के 17 खानों में से 12 खानों का निर्माण हो चुका है. अब बनने वाले खानों की शेष सतह के आकार

को बदल दिया गया है। यह निर्णय राफ्ट निर्माण में लगने वाले मसाले को मिलाने के बाद उसके तापमान को 23 डिग्री सेल्सियस ना मिल पाने के कारण लिया गया है. बताया जा रहा है कि बाहरी तापमान अनुकूल हो चुका है, लेकिन मसाले के निर्माण के दौरान बड़े तापमान को अनुकूल कर पाना मसाले की ढलाई में समस्या के बाद 27मी में बनने वाले ब्लाक को घटाकर 9 मीटर कर दी गई है।

राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने कहा की राम जन्मभूमि परिसर में पौराणिक कुंआ है। अयोध्या की जनता धार्मिक अनुष्ठान में उसके जल का उपयोग करते हैं प्राचीन सीताकूप का संरक्षण किया जा रहा है. ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने कहा कि पलिंथ का निर्माण अभी शुरू नही हुआ है, हो सकता है कि दिसंबर से पलिंथ निर्माण का कार्य शुरू हो राफ्ट निर्माण का एक तिहायी कार्य लगभग पूरा हो चुका है। राष्ट्र निर्माण के लिए क्षेत्रफल नहीं बढ़ाया गया जितना बड़ा टुकड़ा 1 दिन में ढाला जाता था वह अब कम ढाला जाएगा पहले 27 मीटर चौडा ब्लाक ढाला जाता था। अब उसका घटा करके 9 मीटर कर दिया गया है अब राफ्ट में 17 ब्लाक की बजाय 30 ब्लाक बनाएं जाएंगे।

सम्पादकीय

कंगना रनौतः भारत को आजादी कब और कैसे मिली

जैसे–जैसे संकीर्ण राष्ट्रवाद और मुखर, और आक्रामक होता जा रहा है वैसे–वैसे हमारे स्वाधीनता संग्राम के इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने की प्रवश्ति बढ़ती जा रही है। धार्मिक राष्ट्रवाद का बढ़ते कारवां हमें नए सिरे से समझा रहा है कि हमें आजादी कैसे मिली. अब तक सांप्रदायिक ताकतें अपने आख्यान को बल देने के लिए देश के मध्यकालीन इतिहास का उपयोग करती थीं। अब वे आधुनिक इतिहास, और विशेषकर स्वाधीनता संघर्ष के इतिहास, को तोड़–मरोड़ रही है ताकि एक ओर स्वाधीनता संग्राम की विरासत को कमजोर किया जा सके तो दूसरी ओर उन लोगों का महिमामंडन हो सके जिन्होंने आजादी की लड़ाई से सुरक्षित दूरी बनाए रखी और एक राष्ट्र के रूप में भारत के निर्माण की प्रक्रिया में हिस्सेदारी नहीं की। कंगना रानौत ने दक्षिणपंथी सांप्रदायिक राष्ट्रवाद के प्रति अपने झुकाव को छुपाने की चेष्टा कभी नहीं की. नफरत फैलाने के कारण उनके ट्विटर खाते को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कंगना ने एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहाकृ'भारत को आजादी 2014 में मिली जब प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए.' उन्होंने 1947 में देश को मिली आजादी को 'भीख' बताया. उनके इस दावे से इतिहास की उनकी अज्ञानता जाहिर होती है। उन्हें पता ही नहीं है कि भारत ने कई दशकों तक अंग्रेजी शासन के चंगुल से स्वयं को मुक्त करने के लिए कठिन संघर्ष किया और तब कहीं जाकर हमें स्वतंत्रता हासिल हो सकी. उन्हें इस बात का भी कोई इल्म नहीं है कि भारत एक राष्ट्र कैसे बना। परन्तु बात सिर्फ कंगना की अज्ञानता तक सीमित नहीं है. उनका वक्तव्य उस नए आख्यान का भाग है जिसे पिछले कई दशकों से सुनियोजित ढंग से निर्मित किया जा रहा था और जो पिछले कुछ सालों से हमारे सामने परोसा जा रहा है।

वैसे कंगना केवल नरेन्द्र मोदी के कथन को आगे बढ़ा रहीं हैं। सन 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने कहा था कि 1200 सालों की गुलामी का अंत होने जा रहा हैं उनका आशय यह था कि औपनिवेशिक काल के अतिरिक्त वह दौर भी भारत की गुलामी का काल था जब देश के कुछ हिस्सों में भारतीय मुस्लिम राजाओं का शासन था। और अब चूँकि हिन्दू राष्ट्रवाद का शासन आ गया है इसलिए भारत की गुलामी का काल समाप्त हो गया है.

धार्मिक राष्ट्रवादी, स्वाधीनता संग्राम का हिस्सा नहीं थे। इसलिए वे अनेकानेक तरीकों से स्वयं को राष्ट्रवादी सिद्ध करने में लगे हुए हैं। इसी संदर्भ में यह दावा किया जा रहा है कि आरएसएस की भागीदारी ने भारत छोड़ो आन्दोलन को जबरदस्त ताकत दी. संघ के थिंकटैंक राकेश सिन्हा लिखते हैं, 'उस साल अगस्त में चिमूर और अश्ती में कांग्रेस के जुलूसों में अधिकांशतः आरएसएस के कार्यकर्ता शामिल थे. उन्होंने पुलिस थानों पर हमले किये और इन तालुकों की पुलिस ने लोगों का बर्बर दमन किया. जिन लोगों को फांसी और उम्रकैद के सजा दी गई उनमें से अधिकांश संघ के कार्यकर्ता थे। अपनी फंतासी को और विस्तार देते हुए उन्होंने लिखा, 'आन्दोलन के संघ से बढ़ते जुड़ाव ने खलबली मचा दी। सरकार इस आशंका से भयभीत हो गई कि कहीं देश में सशस्त्र क्रांति न हो जाए क्योंकि आरएसएस और आजाद हिन्द फौज की सोच एक सी थी।

यह दावा तत्कालीन आरएसएस प्रमुख गोलवलकर के निर्देश से मेल नहीं खाता. 'सन 1942 में भी कई लोगों के ह्दय में प्रबल भावनाएं थीं. उस समय भी, संघ का काम चलता रहा। संघ ने प्रत्यक्ष रूप से कुछ भी न करने का संकल्प लिया.' (श्री गुरूजी समग्र दर्शन, खंड 4, पश्ष्ठ 40). सांप्रदायिक राष्ट्रवाद के कुछ अन्य झंडाबरदार यह दावा कर रहे हैं कि भारत की आजादी में गांधीजी के नेतश्त्व में चले आन्दोलन की कोई खास भूमिका नहीं थी. इस सिलसिले में वे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली के भाषण को उद्धृत करते हैं, जिसे 1982 में इंस्टिट्यूट ऑफ हिस्टोरिकल रिव्यु में रंजन बोरा के एक आलेख में प्रकाशित किया गया था। इस भाषण को एक निर्विवाद सत्य के रूप में प्रचारित किया जा रहा. तथ्य यह है कि गांधीजी के नेतृत्व में चले भारत छोड़ो आन्दोलन ने ब्रिटिश सरकार की चूलें हिला दीं थीं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अंग्रेजों के भारत छोड़ने के निर्णय के पीछे कई कारक रहे होंगें. बहादुरशाह जफर के नेतश्त्व में 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम से लेकर अनुशीलन समिति, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन और सुभाषचन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के क्रन्तिकारी आन्दोलन और रॉयल इंडियन नेवी द्वारा 1946 में विद्रोह तक, अनेकानेक कारणों ने अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने के लिए विवश किया होगा. परन्तु यह निर्विवाद है कि गाँधीजी के नेतश्त्व में चला स्वाधीनता आन्दोलन इन सबसे अधिक व्यापक था। उसने लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया, भारतीयों को निडर बनना सिखाया और उन सिद्धांतों के पक्ष में खड़ा किया जो आगे चल कर भारतीय संविधान का आधार बने. गांधीजी के नेतश्त्व में चला स्वाधीनता आन्दोलन दुनिया का सबसे बड़ा जनांदोलन था।

दक्षिणपंथी साम्प्रदायिक राष्ट्रवादियों के आख्यान में स्वाधीनता आंदोलन के एक विशिष्ट और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को जानबूझकर नजरअंदाज किया जाता है और वह यह कि स्वाधीनता संग्राम केवल ब्रिटिश शासन के खिलाफ नहीं था बल्कि वह भारत के एक राष्ट्र के रूप में उद्भव की प्रक्रिया का अंग भी था। जैसा कि सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने कहा था कि 'भारत एक निर्मित होता हुआ राष्ट्र है।' आधुनिक भारत के निर्माण में गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद और उनके साथियों के योगदान का इससे सारगर्भित विवरण नहीं हो सकता. अधिकांश क्रांतिकारी (सूर्यसेन, भगतसिंह आदि) भी समावेशी राष्ट्रवाद में आस्था रखते थे. अपने शुरूआती जीवन में सावरकर भी ब्रिटिश–विरोधी क्रांतिकारी थे परंतु बाद में वे साम्प्रदायिकता के जाल में फंस गए और भारतीय राष्ट्र की उनकी परिकल्पना का अल्पसंख्यक हिस्सा न रहे।

कंगना रनौत, जो लक्ष्मीबाई के अपने पात्र से बहुत प्रभावित दिखती हैं, ने कहा 'कृमुझे मालूम है। पर 1947 में कौनसा युद्ध हुआ था इसके बारे में मुझे कुछ पता नहीं है. अगर कोई इस बारे में में मुझे जानकारी दे सके तो मैं अपना पद्मश्री लौटा दूंगी और माफी भी मांगूगी. कृप्या इस मामले में मेरी मदद करें.' शायद उन्हें ऐसा लगता है कि भारत ने किसी युद्ध से अपनी आजादी हासिल की है और 1947 में कोई युद्ध हुआ था। हम उनसे यह अपेक्षा भी नहीं करते कि वे यह जानेंगी कि भारतीय राष्ट्र अंग्रेजों के खिलाफ एक लंबे और कठिन संघर्ष के बाद अस्तित्व में आया था और इस संघर्ष का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा यह था कि लोगों ने असहयोग आंदोलन (1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) और भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में गांधीजी का साथ दिया। गांधीजी के नेतृत्व में लड़े गए स्वाधीनता संग्राम ने भारतीयों को समानता और स्वतंत्रता के मूल्यों के आधार पर एक किया और उनमें बंधुत्व का भाव जागृत किया।

वर्तमान शासन के अंतर्गत क्या हो रहा है उस पर क्षोभ व्यक्त करते हुए सत्ताधारी दल के सांसद वरूण गांधी ने कहा 'कभी महात्मा गांधी के समर्पण और त्याग का अपमान किया जाता है, कभी उनके हत्यारे को सम्मानीय बताया जाता है और अब शहीद मंगल पाण्डे से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस तक लाखों स्वाधीनता संग्राम सेनानियों को अपमानित किया जा रहा है. मैं इसे देशद्रोह कहूं या पागलपन.' इस प्रश्न का उत्तर कौन देगा?

वरूण गांधी ने जो कुछ कहा वह रनौत के वक्तव्य का उपयुक्त उत्तर है परंतु जो महत्वपूर्ण लोग हैं, जो भाजपा और आरएसएस के नेतश्त्व का हिस्सा हैं, वे इस मामले में चुप रहेंगे. वे एकसाथ कई भाषाओं में बोलने में सिद्धहस्त हैं। गांधीजी की हत्या के बाद भी वे एक ओर शोक मना रहे थे तो दूसरी ओर मिठाईयां बांट रहे थे।

गणित गजब लेकिन सियासत अजब!

–सज्जाद हैदर–

वाह रे सियासत तेरा रूप निराला तेरी गणित अजब और सियासत गजब। आजकल उत्तर प्रदेश की धरती पर सियासत का चित्र बड़ी ही सरलता के साथ देखा जा सकता। क्योंकि उत्तर प्रदेश की धरती पर सियासी शंखनाद हो चुका। सभी सियासतदान अपने–अपने हुनर आजमा रहें हैं। क्योंकि सत्ता की चेष्टा और कुर्सी का सुख भला कौन नेता नहीं भोगना चाहेगा बस इसी क्रम में अब नई–नई रूप रेखा गढ़ी जानी आरम्भ हो चुकी है। जिसमें कोई घोषणाएं कर रहा है तो कोई भविष्य की रूप रेखा की योजना का चित्र झोले में टांगकर जनता के बीच घूम रहा है। जिसे जनता भी बड़े ध्यानपूर्वक सभी सियासी फार्मूलों को निहार रही है।

मजे की बात तो यह कि आज के राजनेता किसी वैज्ञानिक से कम नहीं हैं। क्योंकि वह अनेकों प्रकार की खोज करते रहते हैं। सियासत की प्रयोगशाला में ऐसे–ऐसे वैज्ञानिकों का उदय हो गया है जोकि प्रयोगशाला में बैठकर भरपूर प्रयोग करते हैं। अब यह प्रयोग कितना सफल होगा यह अलग बात है। परन्तु प्रयोगशाला के वैज्ञानिक अपनी प्रयोगशाला में बनाए गए जादूई मुद्दों को सियासी युद्ध के मैदान में झोंकने के लिए आतुर रहते हैं। तथा मौका पाते ही लपकर झोंक देते हैं। बाकी काम क्षमता पर निर्भर करता है। यदि मुद्दा रूपी उपकरण जोरदार होगा तो वह अपनी क्षमता के अनुसार विरोधियों की रणनीति को धाराशायी करेगा। अन्यथा फुस हो जाएगा। मैं प्रयोगशाला शब्द का प्रयोग क्यों कर रहा हूँ यह समझने की जरूरत है। क्योंकि प्रयोगशाला तथा धरातल में आकाश एवं पृथ्वी से भी अधिक दूरी है। प्रयोगशाला में गढ़े गए मुद्दे धरातल पूरी तरह टिक पाएं यह बड़ा सवाल है। क्योंकि सियासत के धरातल तथा प्रयोगशाला की रूप रेखा एक दूसरे के ठीक विपरीत है। क्योंकि वैज्ञानिकीय व्यवस्था जोकि प्रयोगशाला के बंद कमरों की रूप रेखा पर आधारित होती है वहीं सियासत की दुनिया धरालत पर पूरी तरह से आधारित होती है। क्योंकि सियासत का सरोकार आम जनता से सीधा–सीधा होता है। जिसमें जनता के मुद्दें उसकी मूल समस्या से जुड़े होते हैं। अब अगर जनता से मत अपने पक्ष में लेना है तो जनता को अपने ओर आकर्षित करना होगा। अब यह आकर्षण का केन्द्र प्रयोगशाला वाले वैज्ञानिक पर निर्भर करता है वह किन–किन मानकों को आधार मानकर सियासत की रुप रंग एवं आधार को समझ पाया है। क्योंकि सियासत के क्षेत्र में अधिकतर वैज्ञानिक फेल हो जाते हैं। इसका बहुत बड़ा कारण है। इस क्षेत्र का मूल कारण यह है कि इस सियासी ज्ञान की कोई भी थ्योरी लिखित रूप में नहीं होती। न ही किसी प्रकार का कोई फार्मूला निर्धारित होता है जिसके पढ़ लेने से अथवा रट लेने से कोई भी सियासतदान सियासी वैज्ञानिक सफलता की सीढ़ीयों पर चढ़ जाए ऐसा कदापि नहीं है। इसीलिए अधिकतर बंद कमरों वाले लोग सियासत के क्षेत्र में फेल हो जाते हैं। यदि कोई राजनेता प्रयोगशाला रूपी बंद कमरों से बाहर निकलकर धरातल की पगडंडियों पर गतिमान होता है तो वह जनता के वास्तविक मुद्दों से भलिभाँति अवगत हो पाता है। क्योंकि राजनिति की पुस्तक पढ़कर तथा पॉलिटिकल साईन्स में डिग्री प्राप्त कर लेने से कोई भी राजनेता नहीं बन सकता। यह सत्य है। राजनीति में यदि सफल होना है तो बंद कमरों से बाहर निकलना होगा। बड़ी–बड़ी गाड़ियों से नीचे उतरना होगा। संकरी गलियों की ओर गतिमान होना पड़ेगा। क्योंकि सत्ता की चमक–धमक एवं चकाचौंध का रास्ता उन बंद गलियों से हो करके ही गुजरता है जहाँ तक गाड़ियों की पहुँच संभव ही नहीं है। सत्ता की ऊँची कुर्सी का पैर गरीब–वंचित तथा मजदूर वर्ग पर ही टिका होता है जहाँ तक प्रयोगशाला रूपी राजनेता सीधे नहीं पहुँच पाते।

उत्तर प्रदेश के चुनाव में एक नया मुद्दा बहुत ही चरम पर इस बार नजर आने वाला है वह यह कि इस बार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश के चुनाव में महिलाओं को टिकट प्रदान करने में 40 प्रतिशत की भागीदारी का खाका तैयार किया है। अब देखना यह है कि क्या यह खाका कुछ रंग रूप दिखाएगा अथवा एक सगूफा ही साबित होगा। यह तो समय ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश की जनता इस फार्मूले को किस प्रकार से लेती है। क्योंकि यह उत्तर प्रदेश है। यहाँ कि राजनीति दूसरे प्रदेशों की राजनीति से पूरी तरह से भिन्न है। क्योंकि महिला समर्थन की रूप रेखा बिहार की धरती पर नितीश कुमार ने भी अपनाई थी जोकि शाराब बंदी के रूप में थी जोकि सफल रही। बिहार की राजनीति में महिला मतदाता को साधने के लिए नितीश कुमार ने महिला मतदाता कार्ड खेला था। उसके बाद बंगाल की धरती पर भी यह कार्ड खेला गया। जिसमें तृणमूल तथा भाजपा के बीच महिला मतदाता को साधने का प्रयास किया गया जिसकी रस्साकशी बंगाल चुनाव में खूब देखने को मिली। जिसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा बंगाल की धरती पर नंबर दो कि पार्टी बनने मे कामयाब रही और तृणमूल कांग्रेस सत्ता की कुर्सी पर काबिज होने में सफल रही। परन्तु बिहार तथा बंगाल से उत्तर प्रदेश का वातावरण पूरी तरह से भिन्न है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति को यदि बारीक नजरों से समझने एवं परखने का प्रयास किया जाए तो कई चित्र उभर कर सामने आते हैं। जोकि अन्य राज्यों से उत्तर प्रदेश को अलग करते हुए दिखाई देते हैं। खास करके उत्तर प्रदेश का चुनाव जाति आधारित धुरी पर होने की आशंका बहुत अधिक होती है क्योंकि राजनेताओं के द्वारा इस प्रकार से मुद्दों को गढ़ कर तैयार किया जाता है जिससे कि चुनाव जातीय धुरी पर जाकर टिक जाता है। खास करके जब कि इस बार का चुनाव तो और नए प्रयोग से गुजरेगा तो इस बार महिला मतदाता क्या अपने आपको को इस ज्वलन्त वातावरण से अलग कर पाएंगीकृ? यह बड़ा सवाल है। क्योंकि जातीय धुरी पर आधारित चुनाव से महिलाओं का अलग क्षेत्र में जाकर मतदान करना अपने आपमें किसी बड़े बदलाव से कम नहीं होगा। जोकि एक नए संघर्ष का रूप होगा। तो क्या महिला मतदाता अपने परिवारिक पुरुष से इतर जाकर अपनी अलग राय एवं पहचान बना पाएंगीकृ? यह बड़ा सवाल है। क्योंकि उत्तर प्रदेश की सियासी हकीकत यह है कि यह प्रदेश अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र है। अन्य प्रदेश के अनुपात में यहाँ कि महिलाएं अपने आपको पुरुषों से अलग नहीं ले जाती। यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है।

दूसरा बिन्दु यह है कि जब चुनाव जातीय आधार पर आधारित हो जाएगा जोकि नेताओं के द्वारा गढ़कर तैयार किया जाएगा जिसमें सियासी हवाएं गर्म की जाएंगी। यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। खास करके उत्तर प्रदेश के राजनेता इसमें खूब माहिर हैं। तो क्या उस गर्म हवाओं से महिला मतदाता अपने आपको अलग रख पाने की क्षमता में होगीकृ? यह भी एक बड़ा सवाल होगा जोकि आने वाले समय में दिखाई देगा।

तीसरा बिन्दु यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अधिकतर महिला फिर चाहे वह प्रत्यासी हो अथवा मतदाता अपने आपसे अकेले स्वतन्त्र रूप से फैसला कितना ले पाती है यह भी किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। जब इस प्रकार की रूप रेखा जिस प्रदेश की होगी वहाँ पर महिला प्रत्यासी अधिक मात्रा में उतारकर क्या कोई बड़ा बदलाव हो पाएगा इसके ठोस दृश्य नहीं दिखाई देते। क्योंकि जब तक महिला अपने आपमें डिसीजन मेकर न हो तब तक सियासत की दुनिया में यह कह पाना अपने आपमें पूरी तरह से सही नही होगा।

अर्थात कांग्रेस का यह चुनावी दाँव कि महिला प्रत्यासियों को इस बार 40 प्रतिशत की साझेदारी दी जाएगी यह एक नया प्रयोग होगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश का चुनावी वातावरण इस दिशा में चलता हुआ नहीं दिखाई दे रहा। अभी चुनाव तो दूर है जोकि आने वाले नए वर्ष में होगा लेकिन उसकी बानगी अभी से दिखाई देने लगी है। जिस चुनाव में जिन्ना और जैम जैसे मुद्दे सियासी बोतल से बाहर खींचकर लाए जाएंगे तो उस चुनाव की रूप रेखा को समझ लेना चाहिए। प्रदेश के राजनेता इस चुनाव को किस क्षेत्र में ले जाना चाहते हैं। यह पूरी तरह से साफ है। इसलिए कांग्रेस के द्वारा यह दाँव जोकि महिला उम्मीदवार को 40 प्रतिशत की भागीदारी के रूप में लेकर आना यह अपने आपमें एक प्रयोगशाला वाला मुद्दा दिखाई दे रहा है न कि धरातल पर स्थापित होने वाला मुद्दा। इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस ने एक नई और अच्छी शुरुआत की है जिसकी उत्तर प्रदेश की धरती को जरूरत है। लेकिन फिलहाल यह मुद्दा आने वाले चुनाव में जमीन पर टिकता हुआ नहीं दिखाई दे रहा। क्योंकि चुनाव का दृश्य स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्र चिंतक।)

पुरुष प्रधान समाज की वीभत्स कल्पना है भूतनी या चुड़ैल

–निर्मल रानी–

पिछले दिनों भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी ने देश की अनेक हस्तियों को देश के सबसे बड़े एवं प्रमुख पदम् पुरस्कारों से नवाजा। इनमें सरकार द्वारा संस्तुति प्राप्त जहाँ कंगना रानावत जैसे कई नाम ऐसे थे जिन्हें सरकार ने 'अपना समझकर ' पदम् पुरस्कार दिलवाये वहीं निश्चित रूप से कई ऐसे लोगों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज की मुख्य धारा में पसरी कुरीतियों के विरुद्ध अपनी अकेली परन्तु सशक्त आवाज बुलंद की। ऐसा ही एक नाम था झारखण्ड राज्य के सरायकेला जिले की रहने वाली छुटनी देवी का जिन्हें राष्ट्रपति महोदय ने पदमश्री पुरस्कार से नवाजा।

गौर तलब है कि हमारे देश में केवल दिखावे के लिये या महिलाओं के वोट बैंक पर कब्जा जमाने की गरज से महिलाओं को खुश करने के लिये तरह तरह की बातें सत्ता,सरकार,राजनेताओं व प्रशासन द्वारा की जाती है। कभी देवी तो कभी आधी आबादी कहकर खुश किया जाता है। हद तो यह है कि जहाँ महिलायें महिलाओं हेतु आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ती हैं,आम तौर पर वहां भी उन प्रत्याशी महिलाओं के पतियों का ही वर्चस्व रहता है। महिलाओं को तो केवल हस्ताक्षर करने मात्र के लिये ही सीमित रखा जाता है। कन्या पूजन के नाम पर कंजकों को पूजा जाता है परन्तु दुनिया में सबसे अधिक बलात्कार,सामूहिक बलात्कार और मासूम व नाबालिग बच्चियों से बलात्कार व उनकी हत्याओं की घटनायें भी इसी 'भारत महान ' में घटित होती हैं। बिहार,झारखण्ड,छत्तीसगढ़,मध्य प्रदेश व ओड़ीसा जैसे राज्य जहां गरीबी और अशिक्षा अधिक है वहां तो महिलाओं को नीचा दिखाने,उनसे किसी बात का बदला लेने,कुछ नहीं तो अनपढ़ पुरुषों द्वारा समाज में अपना दबदबा दिखाने या रुतबा जमाने के लिये किसी भी महिला को डायन अथवा चुड़ैल बता दिया जाता है। कभी कभी तो परिवार के लोग ही महिला का मकान जमीन का हिस्सा हड़पने के लिए भी उसे डायन बता देते हैं। और किसी महिला को एक बार डायन घोषित करने के बाद उसपर चाहे जितना जुल्म समाज ढाये कोई उस गरीब महिला के पक्ष में नहीं खड़ा होता। डायन घोषित की गयी महिला को कभी रस्सियों से तो कभी किसी खूंटे या चारपाई में बाँध दिया जाता है तो कभी किसी पेड़ या खंबे से। उसे मारा पीटा जाता है और भूखा भी रखा जाता है। कई बार तो उसके बच्चों को भी चुड़ैल घोषित महिला के साथ ही तिरस्कृत किया जाता है।

झारखण्ड की छुटनी देवी भी उन्हीं महिलाओं में एक थी जिसे वर्ष 2015 में उसके गांव के कलंकी पुरुषों ने डायन घोषित कर दिया था। उस समय छूटनी देवी का आठ महीने का बच्चा भी था। फिर भी गांव के लोगों को उसपर तरस न आया। बताया जाता है कि छुटनी देवी महतो के घर के साथ वाले किसी कथित स्वयंभू दबंग के घर में कोई बीमार पड़ गया। उन लोगों को शक हुआ कि उसकी पड़ोसन छूटनी देवी ने ही कोई झाड़ फूँक की है जिसके परिणाम स्वरूप ही उनके घर का सदस्य बीमार पड़ा है।बस फिर क्या था ?छूटनी देवी पर तो मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा। गांव के पुरुषों की पंचायत हुई और उसे गांव से बाहर निकालने का 'तालिबानी फरमान' जारी कर दिया गया। वह अपने आठ महीने के बच्चे को लेकर गांव के बाहर एक पेड़ के नीचे रहने लगी। फिर ओझा के कहने पर छुटनी को मानव मल मूत्र खिलाने की कोशिश की गयी।उसके मना रने पर उसपर मैला फेंका गया। वह न्याय के लिये दर दर भटकती रही परन्तु कहीं से उसे कोई मदद न मिली। फिर छुटनी देवी ने संकल्प किया कि यह समस्या केवल उसी की नहीं बल्कि रोजाना सैकड़ों महिलाओं के साथ यही जुल्म और अन्याय होता है। और फिर छुटनी महतो ने इस प्रकार की पीड़ित महिलाओं को संगठित करना शुरू किया। आज छूटनी देवी चड़ैल और भूतनी बताकर पीड़ित की जाने वाली महिलाओं की एक सशक्त आवाज बन चुकी हैं। केवल झारखण्ड ही नहीं बल्कि देश के किसी भी राज्य की उस पीड़ित महिला की वह एक मुखर आवाज हैं जिसे भूतनी बताकर तिरस्कृत या अपमानित किया जाता है। छुटनी महतो अब तक इस प्रकार की दो सौ से भी अधिक पीड़ित महिलाओं को उनपर लगे 'भूतनी' या 'चुड़ैल' अथवा 'डायन' के टैग से मुक्ति दिला चुकी हैं। आज वे बाकायदा अपना 'डायन पुनर्वास केंद्र' संचालित कर रही हैं।

परन्तु दुःख का विषय है कि आजादी के 75 वर्ष के बाद भी अभी तक हमारे 'गौरवमयी ' देश से इस पाखण्ड पूर्ण कुप्रथा का अंत नहीं हो सका ? पुरुष प्रधान समाज में भूतनी ,चुड़ैल या डायन का कोई पुरुष संस्करण नहीं पाया जाता। यह भी कितने कमाल की बात है। ठीक उसी तरह जैसे पुरुषों ने सभी गलियां, गन्दी से गन्दी गलियां सब केवल महिलाओं की और संकेत करने वाली गढ़ी हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के लिए भूतनी ,चुड़ैल या डायन की संकल्पना पुरुषों की उसी दूषित सोच की उपज है। इस कलंक रुपी समस्या के निवारण के लिये जहाँ उस परिवार के पुरुषों को भी मुखर होने की जरुरत है जिसके परिवार की महिला इसतरह की साजिश का शिकार होती है। वहीं सरकार को भी इस कुप्रथा के विरुद्ध सख्त कानून बनाने और दोषी लोगों तथा मात्र अपनी रोजी रोटी के लिये अन्धविश्वास फैलाने वाले ओझा–तांत्रिक आदि के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये।

देशव्यापी हुआ अश्लीलता का कारोबार

–प्रमोद भार्गव–

बच्चों के यौन शोषण और उससे संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर परोसने और प्रसारित करने के मामले में 83 लोगों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बड़ी कार्यवाही की है।

देश के 14 राज्यों के 76 ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस मुहिम से पता चला है कि लगभग पूरे देश में अश्लीलता का यह जंजाल नशे के कारोबार की तरह फैल गया है। यही नहीं अनेक महाद्वीपों में फैले सौ देशों के नागरिक इस गोरखधंधे में शामिल हैं। शहर तो शहर मध्य–प्रदेश के डबरा तहसील के ग्राम अकबई में भी बाल यौन शोषण से जुड़ी अश्लील फिल्में बनाने का कारोबार फैल चुका है। यह अत्यंत चिंता का विषय है। 31 सदस्यों वाला व्हाट्सएप समूह जांच का मुख्य केंद्र बिंदु है। इन आरोपियों को सूचीबद्ध तो कर लिया है, किंतु ताकतवर होने के कारण कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। यही लोग यौन फिल्में बनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करते थे, निर्माताओं को शुल्क देने के साथ सामग्री को प्रसारित व साझा करने का काम भी करते थे।

पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें अनेक सोशल साइट व एप पर अपलोड करने के मामले में पिछले दिनों प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया था। वे अश्लील फिल्में बनाने, बेचने और इससे धन कमाने के धंधे में शामिल थे। तीन महिलाओं ने उनके विरुद्ध शिकायत की थी। किराए के बंगले में राज कुंद्रा की कंपनी और उनके सहयोगी फिल्में बनाते थे। कुंद्रा की कंपनी ने एप बनाया और इसे ब्रिटेन में एक रिश्तेदार के नाम से रजिस्टर्ड कंपनी केनरिन को बेच दिया था। कुंद्रा के साथ काम करने वाली कुछ लड़कियां अंतरराष्ट्रीय पोर्नोग्राफी गिरोह के शिकंजे में भी पाई गई थीं। इस मामले में कुंद्रा को पोर्न फिल्म रैकेट का मुख्य साजिशकर्ता माना है। इससे पता चलता है कि फिल्म, टीवी, सोशल मीडिया और आईटी कंपनियों की अनेक हस्तियां इस नीले कारोबार से जुड़ी हैं।

मोबाइल व कंप्यूटर पर इंटरनेट की घातकता का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले सीबीआई ने बच्चों के अश्लील वीडियो और फोटो बेचने वाले एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया था। इस मामले में मुंबई के एक टीवी कलाकार को भी गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी ने अमेरिका, यूरोप और दक्षिण एशियाई देशों में एक हजार से अधिक लोगों को ग्राहक बनाया हुआ था। वह अश्लील सामग्री को सोशल साइट इंस्टाग्राम पर भेजकर मोटी कमाई करता था। किशोर बच्चों को अपने जाल में फंसाने के लिए फिल्मी स्टार के रूप में पेश आता था। ये गतिविधियां ऑनलाइन जुड़कर अंजाम तक पहुंचाई जाती थी। सीबीआई ने इसे पास्को एक्ट व अन्य धाराओं के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। दिल्ली में भी इसी प्रकार की घटी एक घटना में 27 किशोर दोस्त सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर एक समूह बनाकर अपने साथ पढ़ने वाली छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार की षड्यंत्रकारी योजना बना रहे थे। ये सभी दक्षिण दिल्ली के महंगे विद्यालयों में पढ़ते थे। 11वीं व 12वीं के छात्र होने के साथ अति धनाढ्य परिवारों से थे। साफ है, स्मार्ट मोबाइल में इंटरनेट और सोशल साइट्स बच्चों का चरित्र खराब करने का बड़ा माध्यम बन रही हैं और इस कारोबार में सेलिब्रिटीज शामिल हैं।

अंतर्जाल की आभासी व मायावी दुनिया से अश्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंदौर के जिम्मेदार नागरिक कमलेश वासवानी ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतरित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण तो बन ही रही हैं, सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार–तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वश्द्धि हो रही है, वहीं दर्शक संख्या भी बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की ठोस पहल करें। लेकिन पिछले 15 साल से इस समस्या का कोई हल नहीं खोजा जा सका है।

वस्तुस्थिति इंटरनेट पर अश्लीलता का तिलिस्म भरा पड़ा है। वह भी दृश्य, श्रव्य और मुद्रित तीनों माध्यमों में। ये साइटें नियंत्रित या बंद इसलिए नहीं होती, क्योंकि सर्वरों के नियंत्रण कक्ष विदेशों में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मायावी दुनिया में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो एवं क्लीपिंग चलायमान हैं, जो एक क्लिक पर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, फेसबुक, ट्यूटर, यूट्यूब और वाट्सअप की स्क्रीन पर उभर आती हैं। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियतांओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया। गौरतलब है, जो सर्वर चीन में अश्लीलता परोसते हैं, उनके ठिकाने भी चीन से जुदा धरती और आकाश में हैं। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे इंजीनियर इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं ? चीन यही नहीं रुका, उसने अब गूगल की तरह अपने सर्च–इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस तथ्य से दो आशंकाएं प्रगट होती हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे इसे इसलिए भी नहीं हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है। जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। कई सालों से हम विदेशी मुद्रा के लिए इतने भूखे नजर आ रहे हैं कि अपने देश के युवाओं के नैतिक पतन और बच्चियों व स्त्रियों के साथ किए जा रहे दुष्कर्म और हत्या की भी परवाह नहीं कर रहे ? अमेरिका, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च–इंजन बनाने की तकनीक दे ? लेकिन दिक्कत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं है। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने स्रोतों से विकसित करनी होगी।

ब्रिटेन में सोहो एक ऐसा स्थान है, जिसका विकास ही पोर्न वीडियो फिल्मों एवं पोर्न क्लीपिंग के निर्माण के लिए हुआ है। यहां बनने वाली अश्लील फिल्मों के निर्माण में ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने धन का निवेश करती हैं, जो कामोत्तेजक सामग्री, दवाओं व उपकरणों का निर्माण करती हैं। वियाग्रा, वायब्रेटर, कौमार्य झिल्ली, कंडोम, और सैक्सी डॉल के अलावा कामोद्दीपक तेल बनाने वाली ये कंपनियां इन फिल्मों के निर्माण में बड़ा पूंजी निवेश करके मानसिकता को विकृत कर देने वाले कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। राज कुंद्रा की कंपनी भी ब्रिटेन में पोर्न फिल्में बेच रही थी। यह शहर 'सैक्स उद्योग' के नाम से ही विकसित हुआ है।

बाजार को बढ़ावा देने के ऐसे ही उपायों के चलते ग्रीस और स्वीडन जैसे देशों में क्रमशः 89 और 53 फीसदी किशोर निरोध का उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि बच्चे नाबालिग उम्र में काम–मनोविज्ञान की दृष्टि से परिपक्व हो रहे हैं। 11 साल की बच्ची राजस्वला होने लगी है और 13–14 साल के किशोर कमोत्तेजाना महसूस करने लगे हैं। इस काम–विज्ञान की जिज्ञासा पूर्ति के लिए अब वे फुटपाथी सस्ते साहित्य पर नहीं, इंटरनेट की इन्हीं साइटों पर निर्भर हो गए हैं और उनकी मुट्ठियों में मोबाइल थमाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ब्लॉक सभागार में सम्पन्न हुई विधानसभा पंचायत सम्मेलन

बैठक में मौजूद विधायक व ब्लॉक प्रमुख

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी/हरदोई। पिहानी विकासखंड की सभागार में आयोजित पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि गोपामऊ विधायक श्याम प्रकाश ने प्रधान ,क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलतापूर्वक सबको खाद्यान्न वितरण कराना रहा हो या सब को

अन्न का वितरण करना हो, जनधन के खातों में पेंशन समेत अन्य धन राशियां उपलब्ध कराई गईं। 80 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। नवंबर 2020 तक और फिर दूसरी लहर में मई 2021 से नवंबर 2021 तक सभी गरीबों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण कराने का कार्य किया गया। विधायक ने कहा कि कोरोना महामारी के 9 महीने के अंदर ही सबको वैक्सीन मुफ्त में प्रदान की गई। जिनमें से 02 करोड़ 28 लाख से अधिक वैक्सीन 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को लगाई गई हैं। पंचायत सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे कुशी बाजपेई ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान व जिला पंचायत सदस्य का पूरा सम्मान किया जाएगा। विकास में आने वाली समस्याओं का तुरंत निदान करके उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। कार्यक्रम का संचालन नवनीत बाजपेई रुचि ने किया। इस मौके पर टडियावाँ ब्लॉक प्रमुख रवि प्रकाश व विधायक प्रतिनिधि धर्मेश मिश्रा भी मौजूद रहे।

गोपामऊ विधायक श्याम प्रकाश बोले पूरी निष्ठा और ईमानदारी से आप सबको कार्य करना होगा विधायक ने कहा कि अगर आप सब कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे तो आप की एक नई छवि विकास की उभरेगी। उन्होंने सम्मेलन शामिल हुए समस्त कार्यकर्ताओं से कहा कि आपको मिला दायित्व सिर्फ सम्मान नहीं है बल्कि आपके आगे की प्रोग्रेस भी इसी पर निर्भर करेगी। इसलिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से आप सबको कार्य करना है। संगठन के सम्मान की रक्षा आपको करना है।

विधायक ने कहा कि ग्राम प्रधानों, जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आपस में बेहतरीन समन्वय हो। सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के भाव की धुरी आप सबको बनना होगा। कैसे हम अपने पंचायत को एक आदर्श ग्राम पंचायत बना सकते हैं इस पर कार्य करना होगा। सरकार ने अपनी कुछ प्राथमिकताएं तय की हैं, आप सब सरकार की प्राथमिकता में सहयोग करें। एक साथ टीम वर्क करके रिजल्ट दें।

अवैध शराब का कारोबार चरम सीमा पर पुष्पित व पल्लवित,

पुलिस प्रशासन के लाख प्रयास के बावजूद नहीं रुक रहा है अवैध शराब का कारोबार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। थाना मोतीगंज क्षेत्र में एक बार फिर अवैध शराब का कारोबार चरम सीमा पर चल रहा है। चौकी वा थाना क्षेत्र में अवैध शराब खुलेआम बिक रही है। समाज में कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। खुलेआम हो रही अवैध शराब की बिक्री से जहां गांवों का महौल खराब हो रहा हैं, वहीं युवा पीढ़ी भी नशे की लत के आदी होते जा रहे हैं। जिससें कई ऐसे परिवार है, जो उजडने़ की कगार पर है। क्षेत्र में जिस प्रकार से बेधड़क अवैध शराब बेची जा रही है, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि मानों पुलिस की सरपरस्ती में यहां अवैध शराब बेची जा रही है। यहां के पुलिस का जरा सा भी भय नहीं है। यहां क्षेत्र का कोई भी जागरूक व्यक्ति भी अवैध शराब की धरपकड़ पुलिसिया कार्रवाई पर दावे के साथ सवाल उठा सकता है। बताया जाता है कि यहां शराब की पैकारी का करोबार तो अर्से से चल रहा है। जबकि चौकी से यह गांव काफी नजदीक है। जिस प्रकार से क्षेत्र में अवैध शराब फल–फूल रहे है। यह कई सवालों को जन्म देता है। तमाम नियम कायदों के सहित कई बड़े नेता सब चुप्पी साधे है। शराब के अवैध कारोबार का फलना–फूलना इस बात का भी संकेत है कि माफियाओं समेत छुटभैये तस्करों के मन में कानून

बावजूद जिले की आबकारी महकमा व पुलिस से कोरी कृपा से नही बल्कि मोटी चढ़ोत्तरी के दम पर चल रहा है। चाहे जो भी हो ऐसे मामलों में क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि का कोई भय नहीं रहा। शराब की अवैध बिक्री और पियक्कड़ों की बढ़ती फौज से गांव–गांव का माहौल अराजक हो रहा है। युवा पीढ़ी बर्बादी के पथ पर अग्रसर हो रही है।

नवजात की दिक्कतों को दूर करने में मददगार बना एसएनसीयू

जिला अस्पताल में बच्चों के बेहतर देखभाल के लिए एसएनसीयू की व्यवस्था

अवध की आवाज ब्यूरो

रायबरेली। जिला अस्पताल में स्थापित सिक न्यू बार्न केयर यूनिट (एस.एन.सी.यू.) नवजातों को नया जीवन देने में कारगर साबित हो रही है। ऐसी ही एक कहानी है – जिला महिला अस्पताल के (एस.एन.सी.यू.) की। लाल गंज ब्लॉक के गाँव बहाय की रेनू ने लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पुत्र को जन्म दिया। रेनू ने बताया– जन्म के समय बेटा रोया नहीं था और उसका वजन करीब ढाई किलोग्राम था। डाक्टर ने कहा कि नवजात के मुंह में गंदा पानी चला गया है और बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। इसके तुरंत बाद एम्बुलेंस से हमें और नवजात को जिला महिला अस्पताल भेजा गया। यहाँ नवजात छह दिन तक हमसे अलग दूसरे वार्ड में रखा गया उसके बाद, दो दिन तक मेरे साथ रहा और उसके बाद हम 9वें दिन घर आ गए। हम दोबारा भी जांच के लिए अस्पताल गए थे डाक्टर ने बताया कि बच्चा अब स्वस्थ है। हम बहुत ही खुश हैं कि बच्चे को समय से इलाज मिल गया और वह ठीक है। नवजात की जांच और इलाज करने वाले चिकित्सक डा. योगेंद्र सिंह ने बताया– गर्भ में ही बच्चे ने मल त्याग दिया था, वह जन्म के समय रोया नहीं था और उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन नहीं पहुँच पा रही थी। इसके साथ ही बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। सीएचसी से नवजात को तत्काल ही जिला अस्पताल लाया गया। नवजात छह दिनों तक एसएनसीयू वार्ड में रहा, जब उसकी स्थिति में सुधार हुआ तब हमने उसे घर भेज दिया।

एसएनसीयू के नोडल अधिकारी एवं जिला महिला अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डा. एम. के. सिंह बताते हैं– इस बच्चे को समय से सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था तो समय से इलाज मिल गया अन्यथा कोई भी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

डा. सिंह ने बताया– हम नवजात को एसएनसीयू वार्ड में तब तक रखते हैं जब तक उसकी स्थिति बेहतर नहीं हो जाती है उसके बाद हम उसे उसकी माँ के साथ दो से तीन दिन तक सघन निगरानी में रखते हैं। जब हम नवजात की स्थिति से संतुष्ट हो जाते हैं कि वह माँ का दूध आसानी से पीने लगा है तभी हम उसे उसके घर भेजते हैं। जिला महिला अस्पताल की कार्यकारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. तौहीदा ने बताया – गंभीर बच्चों के इलाज में एसएनसीयू अहम भूमिका निभा रहा है। जिला महिला अस्पताल में एक एस.एन.सी.यू. की इकाई स्थापित है, जिसके अंतर्गत 24 घंटे 12 बेड के साथ प्रशिक्षित डॉक्टर एवं नर्स की टीम तैनात रहती है। पिछले एक साल में एसएनसीयू में हमने लगभग 1000 बच्चों का इलाज किया है।

एसएनसीयू स्थापित करने का उद्देश्य जन्मजात बीमार नवजात शिशुओं को बेहतर इलाज मुहैया कराना एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। एसएनसीयू में कम वजन के नवजात, सेप्सिस और पीलिया से पीड़ित नवजात का इलाज किया जाता है। इसके साथ ही ऐसे बच्चे जिनमें प्रसव के दौरान मुंह में गंदा पानी चला गया हो, जिन्होंने गर्भ में ही मल त्याग दिया हो, जो जन्म के समय रोए नहीं और जिन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही हो का इलाज किया जाता है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत हुई रंगोली प्रतियोगिता

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ़, जालौन। सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्ट्रोरल पार्टिसिपेशन श्स्वीपश के अंतर्गत माधौगढ़ तहसील की प्रतियोगिताएं आज बुंदेलखंड इंटर कॉलेज माधौगढ़ में आयोजित हुईं ।तहसील माधौगढ़ के नोडल अधिकारी स्वीप जयदेव नगायच प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा की अध्यक्षता में आज रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सुश्री शांति पांडेय प्रवक्ता बुंदेलखंड इंटर कॉलेज माधौगढ़ ,नगेंद्र सिंह स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज इंगुई , अवधेश जाटव राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा ने अदा की। रंगोली

प्रतियोगिता में कुमारी निशी राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा ने प्रथम ,काजल राठौर बुंदेलखंड इंटर कॉलेज माधौगढ़ ने द्वितीय एवं साक्षी राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार मेहंदी प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉक्टर शिव प्रकाश त्रिपाठी प्रधानाचार्य जिला परिषद इंटर कॉलेज ऊमरी, जयदेव नगायच प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा एवं कृष्ण मुरारी प्रधानाचार्य बुंदेलखंड इंटर कॉलेज माधौगढ़ ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में उमा गौतम राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा ने प्रथम, सोनिया कुशवाहा रसकेंद्री देवी इंटर कॉलेज ऊमरी ने द्वितीय एवं गौरी गौतम राजकीय इंटर कॉलेज बंगरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 50 प्रतिभागियों के साथ में उनके शिक्षक गण उपस्थित रहे ।नोडल अधिकारी जयदेव नगायच द्वारा मतदाता की शपथ दिलाई गई।

शांति भंग करने के मद्देनजर थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा की गई भारी कार्यवाही

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 18/11/2021 को उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्मा द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही के अंतर्गत अभियुक्तगण द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने के कारण धारा 151/ 107/116 सीआरपीसी की कार्यवाही कर अभियुक्तगण का चालान कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्मा, कांस्टेबल निखिल राठोर , कांस्टेबल शेषनाथ यादव ने अभियुक्त गण रहमान अली पुत्र जकी उल्लाह निवासी शेख पुरवा सिंहगांव थाना मोतीगंज जनपद गोंडा, मोहम्मद सुफियान उर्फ मल्लू पुत्र यासीन निवासी शेखपुरवा सिहा गांव थाना मोतीगंज गोंडा से गिरफ्तार करके न्यायालय किया गया रवाना।

गरीबों की थाली में डाका डाल रहे माधौगढ़ के गोदाम प्रभारी

कोटेदारों को 48 किलो की बोरी को 52 किलो की लगा रहे प्रभारी

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई जालौन। यूँ तो केंद्र सरकार और प्रदेश की योगी सरकार लॉकडाउन के बाद से ही गरीबो को हर माह दो बार राशन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है लेकिन उनके ही कुछ जिम्मेदार अधिकारी गरीबो के निबाले को अपना प्रसाद समझकर हाजमोले की गोली की तरह हजम करने में लगे है।

मामला माधौगढ़ स्तिथ आर एफ सी गोदाम का है जहाँ से तहसील के सभी कोटेदारों के राशन की उठान होती है नाम न छापे जाने की शर्त पर कोटेदारो ने हमारी टीम को बताया कि गोदाम प्रभारी अवधेश कुमार के द्वारा राशन को बिना तौल किये ही व बोरी को 52 किलो लगा कर दिया जा रहा है जिसमें कि केवल 47 या 48 किलो ही अनाज होता है कई बार कोटेदारो ने इस विषय को लेकर गोदाम प्रभारी से विरोध भी किया लेकिन भृस्टाचार की चासनी में डूबे गोदाम प्रभारी के सिर पर जूं तक नही रेंगी ! कोटेदारों ने बताया कि गोदाम से मिले कम राशन की वजह से लाभार्थियों को वितरण करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी ओर गोदाम प्रभारी के द्वारा हर महीने कुन्तलों राशन कालाबाजारी करने वाले माफियाओं को बेच दिया जाता है ! कोटेदारो ने उक्त गोदाम प्रभारी पर कार्यवाही करने व राशन पूरा मिलने की जिलाधिकारी से मांग की है।

पीपरी में सीबीआई का छापा:वाट्सएप ग्रुप में अश्लील वीडियो डालने का निकला मामला

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। कोंच तहसील व सर्किल के थाना कैलिया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पीपरी कला गांव में गत रोज मंगलवार की सुबह 6 बजे अचानक सीबीआई की करीब 10 सदस्यीय टीम के एक घर व चाय समोसे की दुकान पर छापा मारने से समूचे क्षेत्र में हड़कम्प मच गया था ।सीबीआई टीम के छापे को लेकर बुधवार को मीडिया कर्मी गांव पहुंचे और पूरे मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश की ।उक्त पूरा मामला अश्लील वीडियो का सामने आया है। जानकारी में आया कि गांव का एक 16/17 बर्षीय कक्षा 11 में पढ़ने वाला युवक,जिला झाँसी के ग्राम एरच में रहने वाले अपने मामा के लड़के के संपर्क में आकर बीते माह सितंबर से अश्लील वीडियो भेजने का कार्य करने लगा वह इससे हजारों रुपये कमा चुका है ।उसने बताया कि बीती 24 अक्टूबर को उसके पास किसी सरकारी विभाग के दिल्ली ऑफिस से कॉल आयी थी कि अश्लील वीडियो भेजने का कार्य

था ।रुपये कमाने के लालच में एरच निवासी ममेरे भाई ने ही उसे पीडिक्स बेबसाइट डाउनलोड और फिर वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्राप्त अश्लील वीडियो अन्य वाट्सएप ग्रुपों में डालने का तौर तरीका सिखाया था ।इसके एवज में एरच निवासी युवक के बैंक खाते में बाहर से रुपये भेजे जाते थे और पीपरी कला निवासी युवक का बैंक खाता न होने के कारण वह युवक नगद रूप से उसे रुपये देता रहता था। पीपरी निवासी युवक ने मीडियाकर्मियों को बताया कि वह एक दिन में करीब 100 वीडियो डालता था और एक ब्यूबर्स के 70 रुपये के हिसाब से अब तक बंद कर दो अन्यथा जेल की हवा खानी पड़ेगी जिससे डर कर उसने अश्लील वीडियो डालना बंद कर दिया था ।मंगलवार को पीपरी आयी सीबीआई टीम उक्त युवक से पूरे दिन पूंछतांछ करती रही और उसके घर व चाय समोसा की दुकान की बारीकी से जांच पड़ताल की ।टीम उक्त युवक का मोबाइल फोन,2 सिम कार्ड,1 चिप कार्ड जब्त कर साथ ले गयी और उस युवक को 19 नवंबर को सीबीआई ऑफिस दिल्ली आने का नोटिस भी थमा गई सीबीआई टीम शाम 6 बजे तक जांच पड़ताल में लगी रही ।जानकारी में आया कि एरच में भी छापामारी कर सीबीआई टीम एरच निवासी उस युवक को अपने साथ ले गयी है।

न्यायपंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सकुशल सम्पन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा/इटियाथोक। परिषदीय विद्यालयों में चल रहे खेल–कूद प्रतियोगिता के क्रम में जिले के इटियाथोक ब्लॉक के सोमरही न्यायपंचायत खेल कूद प्रतियोगिता व 100 मीटर की दौड़, लंबी कूद, कबड्डी और जूनियर स्तर के बच्चों में 100 मीटर व 200 मीटर की दौड़, गोला फेंक, डिसकस थ्रो, लंबी कूद, कबड्डी आदि प्रतियोगिताएं कराई गई। आपको

आयोजित की गई। प्रतियोगिता की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राम शुभाष मिश्र व विशिष्ट अतिथि व संचालक डॉ अखिलेश शुक्ल ने बच्चों में उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में कुल 18 विद्यालय के लगभग 180 छात्र छात्राओं ने खेल कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्राथमिक स्तर के बच्चों में 50 मीटर बता दें प्रतियोगिता में सफल टीम को ब्लॉक स्तर पर खेल प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक शिव कुमार तिवारी, सलमान, राम प्रसाद वर्मा, आदिल रशीद अंसारी, शिवराज, करन सिंह, पंकज कुमार, सौरभ वर्मा, श्याम सुंदर, शिवगोपाल, महेश चंद्र, शौनक शुक्ल, सर्वेश शुक्ल, राहुल, ओविन्द आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अवध की आवाज ब्यूरा

उन्नाव। भगवंत नगर विधानसभा सिकंदरपुर करण महाराजा रिसाल्ट जिला पंचायत जिला पंचायत क्षेत्र पंचायत प्रधान प्रतिनिधि महा सम्मेलन का किया गया आयोजन पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष माननीय हृदय नारायण दीक्षित क्षेत्रीय विधायक विधान के सभा अध्यक्ष को पाकर लोगों ने रखी अपनी बात भारी भीड़ देखकर गदगद हुए माननीय विधायक दीक्षित भारी भीड़ के कारण नहीं मिल सकी सबको कुर्सी भारत माता के लगे जयकारे वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण दीक्षित की सक्रियता देखकर सभी लोगों ने किया धन्यवाद वहीं पर मौजूद ओएसडी पंकज मिश्रा सेसभी लोग मिलकर खुश हुए।

अगर अधिकारी करें सही जांच तो रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात कई कर्मचारियों के ऊपर गिर सकती है गाज

महिला को मिला न्याय गंभीर धाराओं में चार के खिलाफ मामला दर्ज अभी तक आरोपियों तक नहीं पहुंची इटियाथोक की पुलिस

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। थाना इटियाथोक अंतर्गत 80 वर्षीय पीड़ित महिला के मामले को लेकर अगर जांच अधिकारी करेंगे सही जांच तो रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात कई कर्मचारियों के ऊपर गिर सकती है बड़ी गाज बताते चलें कि मामला तो पुलिस ने दर्ज कर लिया है और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है वहीं अगर देखा जाए तो कहीं ना कहीं रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात कुछ कर्मचारी आए दिन ऐसा ही कूट रचित बलात्कार करते हैं। जिसको लेकर पूरे प्रदेश में एक गोंडा जिला है जो इन दलालों के चक्कर में चर्चा का विषय बना रहता है। और इन दलालों तक पुलिस नहीं पहुंच पाती है और लीपापोती कर मामला न्यायालय में भेज देती है। आपको बता दें कि इटियाथोक अंतर्गत लखनीपुर की रहने वाली 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला जगन्नाथी पत्नी स्वर्गीय गुरुदयाल को चार लोगों ने अपने जाल में फंसा कर रजिस्ट्री कार्यालय लाकर उसका लाखों का संपत अपने नाम बैनामा करा लिए वही पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा को प्रार्थना पत्र दिया प्रार्थना पत्र को गंभीरतापूर्वक लेते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना इटियाथोक को निर्देशित किया वहीं प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक ने तत्काल गंभीर

धाराओं में मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी इस पूरे मामले में प्रभारी निरीक्षक थाना इटियाथोक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला गंभीर धारा में दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच उप निरीक्षक शादाब आलम को सौंपी गई है वहीं साक्ष इकट्ठा किया जा रहा है जैसे ही साक्ष इकट्ठा हो जाएगा इसके बाद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भेजा जाएगा।

पेज 1 का शेष

आगामी 22 नवंबर को लखनऊ के इको गार्डन की किसान महापंचायत ऐतिहासिक होगी जनपद फैजाबाद से भारतीय किसान यूनियन व संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यकर्ता पदाधिकारी व किसान ट्रेनों से बसों से किसान महापंचायत में भाग लेंगे आगामी 26 नवंबर को किसान आंदोलन का 1 वर्ष पूरा होने पर गाजीपुर बॉर्डर नई दिल्ली में महापंचायत कर की जाएगी तथा 29 नवंबर को 500 किसान ट्रैक्टरों से लोकसभा तक जाएंगे जिसमें भी फैजाबाद के कार्यकर्ता भागीदारी सुनिश्चित करेंगे आज की पंचायत में जिला अधिकारी को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया आज की पंचायत में जिला उपाध्यक्ष अरविंद यादव, शंकर पाल पांडे, शोभाराम यादव, राम अवध किसान, राम जन्म वर्मा, बाबूराम तिवारी, रामू चंद विश्वकर्मा ,नाथूराम यादव, मोहम्मद इस्लाम, अरविंद गोस्वामी, दानिश खान, कौसर अली खान, देवी प्रसाद वर्मा, लल्लू उपाध्याय ,अजय यादव, राकेश वर्मा, बैजनाथ निषाद, वीरेंद्र पांडे ,लीलावती, उर्मिला देवी ,राजेंद्र प्रसाद वर्मा, निर्मला देवी, अनुपा, कांति देवी, नफीसा खान सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहे।

ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर में एक किसान की मौत

मुजफ्फरनगर (वेब वार्ता)। दिल्ली–पौड़ी राजमार्ग पर एक ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर होने से एक किसान की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान सुमित के तौर पर हुई है और घटना में घायल नरेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि वे लोग ट्रैक्टर पर गन्ने लादकर उन्हें टिकोला में एक मिल में पहुंचाने जा रहे थे, तभी एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। इससे गन्नों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली उन पर गिर गई। हादसा, बश्हस्पतिवार शाम को रामराज थाना क्षेत्र में हुआ। पुलिस ने बताया कि सुमित का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की वजह से कुछ देर के लिए राजमार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

नुक्कड़ नाटक कर बताया, क्यों जरूरी है दवा खाना

22 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलेगा फाइलेरिया का एमडीए राउंड

बीकेटी के गांवों में हुए नुक्कड़ नाटक, लखनऊ शहर में होगा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। सुनो रे भैया, सुनो रे बहना, सुनो रे दादा, सुनो रे अम्मा... बात पते की आज तुम्हें बताने आया हूं...हो जाओ सावधान तुम्हें जगाने आया हूं..हाइड्रोसील और हाथी पांव फाइलेरिया की

निशानी है३कर देता है जीवन मुश्किल यही इसकी कहानी है... कुछ ऐसे संदेश के साथ गुरुवार को बक्शी का तालाब में नुक्कड़ नाटक आयोजित हुए। फाइलेरिया बीमारी को नियंत्रित करने के लिए 22 नवंबर से 7 दिसंबर तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) राउंड शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के पहले नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम का उद्देश्य है कि लोग फाइलेरिया की दवा खाएं और बीमारी से दूर रहें। सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से होने वाला यह नुक्कड़ नाटक जनपद के कई इलाकों में आयोजित होगा। संस्था के अनुसार 18 नवंबर से शुरू हुए नुक्कड़ नाटक के आयोजन 23 तक होने हैं। इसके लिए बख्शी का तालाब, सहादतगंज, सेवासदन, सिल्वर जुबली, रेलवे स्टेशन और कैसरबाग बस अड्डा समेत बादशाहनगर, चौक, कैसरबाग और घंटाघर की मलिन बस्ती में चिन्हित हैं। गुरुवार को बख्शी का तालाब के दो अलग–अलग इलाकों कठवारा और हरदोर में आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इस दौरान कलाकारों ने अपने डाईलॉग्स के जरिए बीमारी की गंभीरता समझाई। साथ ही एमडीए राउंड के दौरान मुफ़्त मिलने दवा खाने की अपील की।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में लगे आवास मेले में 32 लोगों ने कराई रजिस्ट्री

प्राधिकरण दिवस एवं दो दिवसीय आवास मेला के अन्तिम दिन उमड़ी लोगों की भीड़

तकरीबन एक दर्जन लम्बित प्रकरणों का मौके पर ही हुआ निस्तारण

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में आज दिनांक 18 नवम्बर को आवास मेला एवं प्राधिकरण दिवस का आयोजन किया गया। इसको लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला, जिसके फलस्वरूप कैम्प में भारी भीड़ उमड़ी। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा आवंटियों की सुविधा के लिए समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराकर निबन्धन की कार्यवाही कराने के आदेशों के क्रम में आज आवास मेले के अन्तिम दिन 32 आवंटियों के पक्ष में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री की गई। वहीं, 25 लोगों को सम्पत्तियों का आवंटन किया गया। प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि दो दिवसीय आवास मेले में कुल 77 लोगों की रजिस्ट्री की गई है। इसके अलावा अपर सचिव की अध्यक्षता में अधिकारियों ने प्राधिकरण दिवस में प्राप्त हुए समस्त प्रकरणों की त्वरित सुनवाई की और अधिकांश प्रकरणों में कार्यवाही भी प्रचलित कर दी। प्राधिकरण दिवस में पहुँची जानकीपुरम निवासी दीप्ति शुक्ला ने अपने आवास के सामने की सड़क पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत की, जिस पर अपर सचिव द्वारा प्रवर्तन के सम्बन्धित अधिकारी को न सिर्फ त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये गये, बल्कि शिकायतकर्ता से उनकी बात भी करवा दी। उनकी इस कार्यशैली पर पीड़ित महिला द्वारा अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। इसी तरह शिविर में पहुँचे सर्वेश कुमार और साधु सिंह ने बताया कि उन्हें बसंतकुंज योजना (हरदोई रोड) के सेक्टर–ओ में अलग–अलग भूखण्ड आवंटित हुए थे, जिनकी रजिस्ट्री लम्बित है। इस पर नजूल अधिकारी द्वारा सम्बन्धित अनुभाग अधिकारी को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया, जिसके चलते दोनों आवंटियों की फाइल पर कार्यवाही शुरू हो गई। इस मौके पर विशेष कार्याधिकारी अमित राठौर, रामशंकर, अरूण कुमार सिंह तथा नायब तहसीलदार स्निग्धा चतुर्वेदी उपस्थित रहीं।

पूर्व विधायक के पुत्र ने मैजापुर चीनी मिल पहुंचकर मृतक के परिजन व कार्यकर्ताओं के साथ किया प्रदर्शन

युवा सपा नेता विजय दुबे ने मिल प्रबंधक से मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने की उठाई आवाज

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मैजापुर चीनी मिल के घोर लापरवाही के चलते एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों के कारणों जान चली गई जिसको लेकर सूचना मिलते ही कटरा बाजार के पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे के पुत्र युवा सपा नेता विजय दुबे ने मैजापुर चीनी मिल पहुंचकर पीड़ित परिवार व अपने तमाम समाजवादी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया और मिल प्रबंधक को चेतावनी दी कि अगर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं दिया तो मिल का घेराव कर आंदोलन समाजवादी कार्यकर्ता द्वारा किया जाएगा। जानकारी देते हुए युवा सपा नेता विजय दुबे ने बताया कि प्रबंधक से हमारी बात हुई है उन्होंने परिजनों को मुआवजा दिलाने की बात कही है।श्री दुबे ने बताया कि धरना प्रदर्शन

के दौरान,अशोक तिवारी एडवोकेट राम कुमार शुक्ला राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी अर्जुन बाबा रविंद्र शुक्ला प्रधान तिलका बहादुर पांडे पूर्व प्रधान अर्पित दुबे वकार खां के साथ तमाम समाजवादी कार्यकर्ता मैजापुर चीनी मिल पर मौजूद रहे।

रानी लक्ष्मी बाई के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सामाजिक दर्पण द सोशल मिरर फेसबुक लाइव पेज के द्वारा संगोष्ठी - माँ के गर्भ में दम तोड़ती बेबस बेटियां का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। गुरुवार को शाम 5:00 बजे वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई जयंती की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विषय था मां की कोख में दम तोड़ती बेबस बेटियां।

संगोष्ठी में पेज के संस्थापक और शकुंतला तोमर, वरिष्ठ समाजसेवी ,मार्गदर्शक व समाज की रूढ़ियों के विरुद्ध लड़ने वाली आदरणीय श्रीमती शाइस्ता अंबर, मिशन पिंक इंडिया की कोऑर्डिनेटर और गाइनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर मिथिलेश सिंह, द टेंथ रिडील नामक पुस्तक जो कि कन्या भ्रूण हत्या की थीम पर आधारित है लिखने वाले इंजीनियर सपन सक्सेना, समाज में बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाली रेखा शुक्ला, तथा भारतीय नागरिक परिषद की महामंत्री रीना त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए रीना त्रिपाठी ने कहा कि भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध से अब

समाज को निजात मिल ही जानी चाहिए क्योंकि हम 21वीं शताब्दी के उन्नत मानसिकता वाले समाज में रहे हैं जहां लड़के लड़की का भेद अब खत्म होना चाहिए। लड़कियों को निम्न दर्जे में रखने की प्रक्रिया यदि समाप्त ना की गई तो यूं ही मां की कोख में बेटियां दम तोड़ती रहेंगी।

शकुंतला तोमर ने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या, लड़कों को प्राथमिकता देने तथा कन्या जन्म से जुड़े निम्न मूल्य के कारण जान बूझकर की जा रही है कन्या शिशु की हत्या । ये प्रथाएं उन क्षेत्रों में होती हैं जहां सांस्कृतिक मूल्य लड़के को कन्या की तुलना में अधिक महत्व देते हैं।

डा.मिथिलेश सिंह नेबताया की भारत में जन्म के समय लिंगानुपात में गिरावट आई है, जबकि पिछले 65 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय लगभग 10 गुना बढ़ गई है। इसका कारण लोगों की बढ़ती आय हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप साक्षरता बढ़ रही है और इससे परिवारों की सेक्स–सेलेक्टिव प्रक्रियाओं तक पहुँच आसान हो जाती है।खुद एक स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के कारण उन्हें आए दिन ऐसे मामलों का सामना करना पड़ता है जो लड़की होने पर सफाई करवाना चाहते हैं जबकि उनके अस्पताल के बाहर साफ–साफ बोर्ड लगा है कन्या भ्रूण हत्या पाप है और भ्रूण का परीक्षण यहां नहीं किया जाता यह एक निंदनीय अपराध है।

प्रख्यात समाजसेवी शाइस्ता अंबर जी ने सभी लोगों को बताया कि किस प्रकार उन्होंने तीन तलाक जैसी कुप्रथा से समाज को निजात दिलाया। अब इस तरह का खिलवाड़ करने वाले लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान है यह सब समाज को बताने के लिए काफी है कि बेटे और बेटी समान होते हैं ।हक और अधिकारों की बात सभी को पता होनी चाहिए गलत को गलत कहने की ताकत यह दिमाग के अंदर आ गई तो वह अपने बच्चे की रक्षा के लिए समाज से जरूर लड़ेगी और कोख में पल रही बेटी को बचाने का पूरा प्रयास करेगी। आज समाज में हम नवरात्रि में नव दुर्गा की पूजा करते हैं क्योंकि हमारा धार्मिक आधार बेटियां हैं कल हम महान क्रांतिकारी रानी लक्ष्मीबाई का जन्मदिन मनाएंगे और 1857 की क्रांति की महान वीरांगना जोकि एक हाथ में अपने बेटे को और एक हाथ से तलवार चला कर अंग्रेजों को लोहे के चने चबवा रही थी फिर भी अंग्रेज उच्च अधिकारी उसकी तारीफ आजादी के मर्द के रूप में करते हैं। शाइस्ता अंबर ने कहा कि वाकई मुझे दुख होता है यदि कोख में बेटियों को खत्म किया जाता रहेगा तो लोग अपने बेटे के लिए बहू और अपना परिवार चलाने के लिए संतति देने वाली मां कहां से लाएंगे। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो अमर्त्य कुमार सेन ने अपने विश्व प्रसिद्ध लेख षमिसिंग वूमेनष में सांख्यिकीय रूप से यह साबित किया है कि पिछली शताब्दी के दौरान दक्षिण एशिया में 100 मिलियन महिलाएँ गायब हुई हैं। इस प्रकार के आंकड़े वाकई समाज के विद्वानों को सोचने के लिए विवश करते हैं।

शिक्षिका रेखा शुक्ला ने बताया कि आज गांव और शहर के स्तर पर गांव में फिर भी चार से पांच लड़कियां एक परिवार में मिल जाती हैं पर शहरों में आर्थिक दबाव के कारण सभी को दो बच्चे में एक बेटा और बेटी चाहिए क्या यह 100: संभव हो सकता है निश्चित रूप से नहीं आज पढ़ा–लिखा समाज बेटे और बेटी में भेद नहीं करता पर क्या समाज जिस प्रकार बेटा होने पर खुश होता है उसी प्रकार बेटी होने पर भी और एक से अधिक बेटी होने पर खुश हो सकता है निश्चित रूप से अब समाज की दशा और दिशा बदलनी चाहिए।

इंजीनियर सपन सक्सेना जिन्होंने कन्या भ्रूण हत्या जैसी जघन्य समस्या जो कि राजस्थान में आमतौर पर व्याप्त है पर एक पुस्तक लिखी है जिसमें उन्होंने एक रानी की कहानी बताई है जो सिर्फ एक वंश की पहली संतान होने के कारण संपत्ति न ले ले इसलिए उसकी हत्या कर दी जाती है। यह बात तो राजघराने की है आज भी राजस्थान के गांव में लड़कियों को जन्म लेते ही मार देना ज्यादा अच्छा समझा जाता है।

यदि कन्या भ्रूण हत्या का आधार समझा जाए तो कहीं न कहीं आज भी हम समाज की मानसिकता को नहीं बदल सकते

हैं। आज भी समाज में समस्त क्रिया कर्म और संस्कारों का मालिक बेटे को भी समझा जाता है। आज भी समाज में यह व्याप्त है कि आने वाली पीढ़ियों का पोषक उनका पुत्र होना है । दहेज जैसे सुरसा का मुंह खोले खड़े राक्षस बेटियों के साथ अक्सर खड़े पाए जाते हैं ।अक्सर माता–पिता को अच्छी शिक्षा बच्चियों को दिलाने के बावजूद दहेज रूपी राक्षस का मुंह भरना पड़ता है और इन सब से बचने के लिए उन्हें लगता है कि बेटी का जन्म हो ही ना।

आज सरकार ने विभिन्न कानून बना रखे हैं जो कि कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए काफी हैं। डॉक्टरों के ऊपर कठोर दंड निर्धारित है यदि वह भ्रूण की जांच करते हैं।पर क्या इतना कहने और करने से इतिश्री हो गई ।निश्चित रूप से नहीं। समाज में व्याप्त सभी लोगों को सभी परिवारों को यह सोचना होगा कि अहिल्याबाई,चांद बीबी, लक्ष्मीबाई , बेगम हजरत महल जैसी क्रांतिकारी महिलाएं यदि हमें आजादी की लड़ाई में रास्ता दिखा सकती हैं तो वहीं देश की सत्ता में काबिज सरोजनी नायडू इंदिरा गांधी, कल्पना चावला जयललिता, मेरी काम सहित स्वर्णिम युग रखने वाली महिलाएं हैं जिन्होंने न केवल अपनी योग्यता से समाज को राह दिखाई बल्कि बड़े–बड़े दुश्मनों को भी धूल चटा दी।

आज समाज को सोच बदलनी होगी ।बेटियां बेटों से कम नहीं होती और इस गर्व के साथ हमें नमन करना होगा। ब्रिटिश जनरल ह्यू रोज के अनुसार क्रांतिकारियों में एक अकेला मर्द महारानी लक्ष्मी बाई थीं। इसी संदेश के साथ संगोष्ठी का समापन किया गया।

अहिल्या उद्धार, गंगा तट आगमन तथा नगर दर्शन की लीलायें मंचित

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। सकरौरा की रामलीला में बीती रात अहिल्या उद्धार, गंगा तट आगमन तथा नगर दर्शन की लीलायें नवीनतम एवं आकर्षक ढंग से मंचित की गयी। विश्वामित्र के साथ जा रहे राम लक्ष्मण ने एक आश्रम में एक शिला देखकर विश्वामित्र से उसके बारे में पूछा तो उन्होंने

गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या के शिला रूप होने की कथा का विशद वर्णन किया और आज्ञा दी गौतम नारि श्राप वश उपल देह धरि धीर, चरण कमल रज चाहती कृपा करहु रघुवीर। चरण रज के स्पर्श होते ही शिला अहिल्या के रूप में परिवर्तित हो गयी। अहिल्या ने प्रभु चरणों की वंदना करके पति लोक को प्रस्थान किया। यह दृश्य अत्यंत ही प्रभावपूर्ण रहा। इसके पश्चात वे तीनों गंगा तट पर पहुंचे जहां पंडा लोगों का समूह एकत्रित था। सभी भंग की तरंग में मौजें मना रहे थे और यात्रियों की बाट जो रहे थे। पंडाइनों का प्रहसन भी बहुत मनोरंजक रहा। भगवान राम लक्ष्मण और विश्वामित्र जी के आगमन पर सभी पंडागण अपने–अपने घाट पर स्नान करने का आग्रह करने लगे। विश्वामित्र ने शर्त रखी कि जो पंडा रघुवंश की वंशावली सुना देगा उसी के घाट पर स्नान किया जायेगा। तब एक पंडे ने बाल्मीकि रामायण में वर्णित श्रीराम की वंशावली निकाली और ब्रह्मा के पुत्र मरीच से प्रारंभ करके सूर्यवंश के सारे सम्राटों का वंश वृक्ष वर्णन करते हुए दशरथ पुत्र राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुन तक की वंशावली प्रस्तुत की। उसी के घाट पर स्नान करके वे आगे बढ़े। जनकपुर में राजा जनक ने मंत्रियों के साथ आकर उनका स्वागत किया और सुंदर सदन में विराजमान किया। लक्ष्मण की लालसा पूर्ति हेतु श्री राम ने गुरु से आज्ञा प्राप्त कर उन्हें नगर दर्शन कराने ले गये। उन्हें देखकर महिलायें में अपने भावों को प्रकट करने लगीं। कोई उनके रूप की तुलना ब्रह्मा, शिव, इन्द्र, कामदेव से करने लगी तो किसी ने उनसे भी श्रेष्ठ बताया। किसी ने जिज्ञासा प्रकट की कि यदि जनक नंदिनी से इनका विवाह हो जाये तो अति सुंदर हो। नगर के अनेक बालक आकर उनका परिचय प्राप्त करके उनको नगर भ्रमण कराने ले गये तथा मिथला के मुख्य मुख्य मनोरम स्थानों को दिखाने लगे। हाट में दुकानदारों द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रहसन भी काफी मनोरंजक रहा। नगर भ्रमण के उपरान्त राम और लक्ष्मण गुरुदेव के पास वापस आ गये और यहीं पर लीला ने विश्राम लिया। इस लीला में राम और लक्ष्मण के रूप में आशुतोष दुबे व शिवम दुबे का अभिनय काफी प्रशंसनीय रहा। भोला सोनी, शचीन्द्र नाथ मिश्र, राजू सोनी, हर्षित मिश्र, कृष्णा सोनी, संतोष गौतम, राजेश गौतम आदि के अभिनय सराहे गये। लीला का संचालन पन्नालाल सोनी ने एवं पात्रों का श्रृंगार रीतेश सोनी उर्फ बड़े तथा उनके सुपुत्र आयुष सोनी ने किया।

ई–श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराने हेतु असंगठित क्षेत्र के कामगार को प्रेरित करें ग्राम प्रधान –डीएम

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर असंगठित क्षेत्र के कामगारों का राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने के लिये ईश्रम पोर्टल पर पंजियन कराया जा रहा है गोंडा

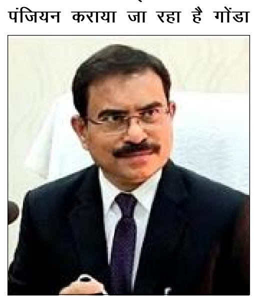

में लगभग 4 लाख कर्मकारों द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है जिससे गोंडा प्रदेश में सातवें स्थान पर आ गया है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों से अपील की है कि वे अपनी ग्राम पंचायत के सभी असंगठित क्षेत्र के कामगारों को ईश्रम कार्ड बनवाने हेतु प्रेरित करें तथा गांव में जन सुविधा केंन्द्र संचालक की सहायता से कैंप लगवा कर गांव के असंगठित क्षेत्र के कामगारों का ईश्रम कार्ड बनवायें। इस योजना के तहत खेतिहर मजदूरों, धोबी दर्जी जैसे अपना काम करने वालों,मनरेगा श्रमिकों,ईट भट्ठा श्रमिकों,दुकानों पर काम करने वाले श्रमिकों व श्रम विभाग में पूर्व से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों व अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगारों जो अपना काम करते हैं को अपना ईश्रम कार्ड बनवाना है। उन्होंने बताया कि ई–श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराने वाले कामगारों को प्रधानमंत्री जी ओर से दो लाख रुपए का जीवन बीमा, आरोग्य (गोल्डन कार्ड) तथा किसी भी आपदा के दौरान सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि ई–श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराने से कामगारों को अन्य प्रकार के भी लाभ प्राप्त होगें। इसलिए असंगठित क्षेत्र के कामगार पोर्टल पर अपना पंजीयन अवश्य करा लें। ईश्रम पोर्टल पर कामगार स्वयं या जनसुविधा केंन्द्र पर आधार व बैंक पासबुक ले जा कर पंजियन करा के ईश्रम कार्ड प्राप्त कर सकता है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी गोंडा योगेश दीक्षित से मो.नं. 9140075159 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने की अभियोजन व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

महिलाओं व बालिकाओं की शिकायतों को प्राथमिकता पर सुना जाए

अवैध कार्य करने वाले अपराधी होंगे सलाखों के पीछे

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। कल देर शाम जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रर्वतन कार्यों से सम्बन्धित विवरण, आबकारी अपराधों के नियन्त्रण हेतु मारे गये छापों का विवरण, कृषि प्रकोष्ठ द्वारा न्यायालय भेजे गये मामले, खाद्य अप मिश्रण निवारण अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही, श्रम विभाग से सम्बन्धित विवरण पत्र, प्रर्वतन कार्यों से सम्बन्धित विवरण, अवैध खनन/परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध कृत्र कार्यवाही का विवरण, विधिक माप विज्ञान (बाट तथा माप) विभाग से सम्बन्धित विवरण आदि पर चर्चा की गयी।

केन्द्र सरकार को यह फैसला बहुत पहले ले लेना चाहिए था: मायावती

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुखा मायावती ने तीन कृषि कानून वापस लिये जाने के केन्द्र के फैसले पर शुक्रवार को किसानों को बधाई दी और कहा कि सरकार को यह फैसला बहुत पहले ले लेना चाहिए था।

बसपा प्रमुख ने किसान आंदोलन के दौरान मारे गये किसानों के परिवारों को आर्थिक सहायता और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की ।

मायावती ने संवाददाताओं से कहा, '' किसानों का बलिदान रंग लाया, सरकार ने अंत में तीन विवादास्पद कानूनों को वापस ले लिया, हालांकि इसकी घोषणा बहुत देर से की गई। तीन कृषि कानून वापस लेने का फैसला केंद्र सरकार को बहुत पहले ले लेना चाहिए था। देश के समस्त किसानों को हार्दिक बधाई । उन्होंने कहा, ''यदि यह फैसला केंद्र सरकार पहले ले लेती तो देश अनेक प्रकार के झगड़ों व झंझटों से बच जाता, लेकिन अभी भी किसानों की उनकी उपज के मूल्य से संबंधित कानून बनाने की मांग अधूरी है, बहुजन समाज पार्टी की मांग है कि केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कानून बनाकर किसानों की इस मांग को पूरा करे।''

उन्होंने कहा, '' बसपा की यह शुरू से ही मांग रही है कि खेती, किसानी के और किसानों के मामले में कोई भी नया कानून बनाने से पहले किसानों से परामर्श जरूर लिया जाना चाहिए, ताकि किसी भी गैर जरूरी विवाद से देश को व राज्यों को बचाया जा सके।''

मायावती ने कहा, ''एक बार फिर देश के किसानों को उनके संघर्ष के जरिए मिली इस जीत के लिये मैं उन्हें तहेदिल से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देती हूं । मैं केंद्र सरकार से यह भी कहना

चाहूंगी कि किसानों के इस आंदोलन के दौरान जो किसान शहीद हुए, उनके परिवारों को केंद्र सरकार उचित आर्थिक मदद दे और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले करीब एक वर्ष से अधिक समय से विवादों में घिरे तीन कृषि कानूनों

कल्पना चावला आज के दिन नवंबर 1997 में अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं : इंजिनियर हया फातिमा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। कल्पना चावला आज ही के दिन नवंबर 1997 में अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। भारतीय मूल की इस महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का नाम आज भी एक जांबाज़ और बहादुर महिला के रूप में जाना जाता है। यह नासा में अंतरिक्ष यात्री के तौर पर शामिल हुई थीं। 1 फरवरी 2003 में अपने छह साथियों के साथ 16 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद धरती पर लौट रही थीं तभी यान दुर्घटनग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में कल्पना चावला सहित 6 अन्य सभी यात्रियों की मौत हो गई थी। सल्तनत मंज़िल, हामिद रोड, निकट सिटी स्टेशन, लखनऊ की रहने वाली इंजिनियर हया फातिमा बिटिया नवाब सैयद मासूम रज़ा, एडवोकेट ने कहा कि कल्पना

चावला अंतरिक्ष में उड़ने वाली पहली भारतीय मूल की अंतरिक्ष महिला थीं जिन्हें पहली उड़ान के लिए चुना गया था उनकी मौत से जो नुकसान पहुंचा उसकी भरपाई ना मुमकिन है। भारत देश की बेटी आज भी सभी के दिलों में ज़िंदा है। इंजिनियर हया फातिमा ने आगे कहा कि इस देश कि बेटी की तस्वीरें देखकर हम सभी को हर पल गर्व महसूस होता है। आज कि बेटियों को आगे बढ़ने के लिए उनमें आत्मविश्वास बेहद ज़रूरी है। इंजिनियर हया फातिमा के पास कल्पना चावला पर भारतीए डाक विभाग द्वारा पटना से जारी स्पेशल कवर पेटपैक्स 2003 कवर मौजूद है जो उनके कलेक्शन की सोभा बढ़ा रहा है ।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।